RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

# नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 275
दि. 06.02.2026,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

# क्यों खोद रहे मोदी की कब्र? पीएम ने गिनाए 10 कारण, कांग्रेस पर किया करारा वार

(जीएनएस)।

गुरुवार को पीएम मोदी ने राज्यसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए कांग्रेस और विपक्षी पार्टियों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि 'मोहब्बत की दुकान खोलने वाले मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगा रहे हैं, जरा मुझे बताया जाए कि ये कौन सी मोहब्बत की दुकान है, जो देश के किसी नागरिक की कब्र खोदने की बात करती है, क्या ये संविधान का अपमान नहीं है।'

इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि 'मैं बताता हूं कि ये लोग मोदी की कब्र क्यों खोदना चाहते हैं।' इसके बाद इन्होंने एक-एक करके 10 कारण गिनाए और सदन के जरिए देशवासियों को बताने की कोशिश की आखिर मोहब्बत की दुकान वाले लगा रहे मोदी की कब्र खोदने के नारे क्यों लगा रहे हैं?

हमने 370 की दीवार गिरा दी इसलिए ये लोग मेरी की कब्र खोदना चाहते हैं-पीएम मोदी

हमने नॉर्थ ईस्ट में बम बारूद की छाया समाप्त कर विकास की राह अपनाई इसलिए खुद रही है पीएम मोदी की कब्र।

पाकिस्तानी आतंकियों को घर में घुसकर जवाब देते हैं, ऑपरेशन सिंदूर करते हैं इसलिए मेरी कब्र खोदने की बात करते हैं।

.माओवादी आतंक से देश को मुक्ति दिलाने के लिए साहसपूर्ण कदम उठाते हैं इसलिए खोदी जा रही है मेरी कब्र।

पीएम नेहरू ने बहुत बड़ा अन्याय किया था देश के साथ, उसे हमने निलंबित कर दिया इसलिए ये लोग मेरी कब्र खोदने में लग गए।

कांग्रेस की असम के प्रति नफरत जाहिर, हमने वहां शांति का माहौल पैदा किया इसलिए कब्र खुद रही है मेरी।

देश विकास पथ पर चल रहा है, गरीब किसानों की बातें कोई नहीं करता था, हमने की तो इन्हें बुरा लग गया इसलिए खोदने लगे मेरी कब्र।

गांव की नारी सशक्त हो रही है, आत्मनिर्भर बन रही है, ये भी इन्हें पसंद नहीं आ रहा है इसलिए मेरी कब्र खोदने के नारे लगाने लगे।

कांग्रेस की सरकार ने जेब भरने का काम किया, सत्तालोभी को रास नहीं आ रहा कि जनता को लोभी पार्टियों को बाहर कर दिया।

दुनिया में हमारे युवा टैलेंट की मांग बढ़ी, ये गांधी परिवार को पच नहीं रहा है इसलिए पीएम मोदी को खोद रहे हैं कब्र।

'मेरा ये लोग कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे'

इसके बाद पीएम मोदी में कहा कि 'लेकिन मैं ये स्पष्ट कर दूं मेरा ये लोग कुछ बिगाड़ नहीं पाएंगे, मेरे पास माताएं-बहनों का आशीर्वाद है।'

आपको बता दें कि गुरुवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री मोदी का संबोधन विपक्षी नेताओं के नारेबाजी के साथ शुरू हुआ।

'वे अपनी उम्र का ख्याल रखते हुए बैठकर नारे लगाएं' (ढट ट्ठ्ठ रस्र्ीं ळल्ल्र)

अपने भाषण की शुरूआत में उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर तंज कसते हुए कहा कि 'वे अपनी उम्र का ख्याल रखते हुए बैठकर नारे लगाएं। इसके तुरंत बाद, विपक्षी सांसद सदन से बाहर चले गए, जिस पर प्रधानमंत्री ने कहा कि थक गए इसलिए चले गए।'

'कोई भी देश व्यापार समझौता क्यों नहीं करना चाहता था'

उन्होंने यह भी सवाल किया कि पिछली सरकारों के दौरान भारत के साथ कोई भी देश व्यापार समझौता क्यों नहीं करना चाहता था लेकिन अब स्थिति उलट क्यों हो गई क्योंकि हमारी सरकार जो कहती है वो करती है, उन्होंने शायराना अंदाज में कहा कि 'तुम कितना दुनिया को धोखा दोगे,आईना देख लिया तो अपनी सच्चाई कहां छुपाओगे।'

## 'सत्ता बचाना ही एक मात्र लक्ष्य', मोदी का दीदी पर तीखा हमला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कई मुद्दों के साथ-साथ तृणमूल कांग्रेस (TMC) पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'एक क्रूर सरकार' शासन कर रही है, जो पतन के हर पैमाने पर नए रिकॉर्ड बना रही है, लेकिन दूसरों को उपदेश दे रही है। 'राज्य के लोगों का भविष्य अंधकार में है, इन्हें कोई चिंता नहीं है। उनके मुताबिक, मौजूदा सरकार (ममता बनर्जी) का लक्ष्य सत्ता में बने रहना है, चाहे इसके लिए आम जनता को कितना भी नुकसान क्यों न उठाना पड़े।' प्रधानमंत्री ने कहा कि 'दुनिया के कई समृद्ध देश अवैध निवासियों को अपने यहां से बाहर निकाल रहे हैं, जबकि भारत में कुछ लोग घुसपैठियों का बचाव कर रहे हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि जो लोग घुसपैठियों की वकालत कर रहे हैं, उन्हें देश के युवा कैसे माफ कर सकते हैं।'

राज्यसभा में 5 फरवरी 2026 का बयान

यह बयान प्रधानमंत्री मोदी ने गुरुवार, 5 फरवरी 2026 को नई दिल्ली में राज्यसभा के दौरान दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि 'घुसपैठियों को बचाने वाले लोग देश के युवाओं के अधिकार छीन रहे हैं और उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं।'

जीवन, जमीन और सुरक्षा पर खतरा

मोदी ने कहा कि 'घुसपैठ आजीविका, जमीन के अधिकार और सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा है, खासकर आदिवासी समुदायों के लिए। उन्होंने चेतावनी दी कि इससे युवाओं के अवसर कम हो रहे हैं और सामाजिक असंतुलन बढ़ रहा है।'

'अदालतों पर बनाया जा रहा है दबाव'

प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि 'कुछ लोग घुसपैठियों को बचाने के लिए अदालतों पर दबाव बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित देश इस मुद्दे पर सख्त हैं, लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए अलग रास्ता अपनाया जा रहा है।'

महिलाओं की सुरक्षा पर चिंता

मोदी ने महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों पर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि 'कुछ नीतियों की वजह से समाज में विभाजन बढ़ा है और घरों तक में शत्रुता का माहौल बन गया है।'

ममता बनर्जी के कदम के बाद आया बयान

प्रधानमंत्री का यह बयान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा एक दिन पहले भारत के मुख्य न्यायाधीश के सामने व्यक्तिगत पैरवी करने के बाद आया है। बनर्जी ने 'रक्र्क' से जुड़ा मुद्दा सड़कों और राजनीति से उठाकर सीधे सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचाया था।

# भारत और खाड़ी सहयोग परिषद ने भारत-जीसीसी मुक्त व्यापार समझौते के संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर किए

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद और वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल की उपस्थिति में आज भारत और खाड़ी सहयोग परिषद-जीसीसी के बीच मुक्त व्यापार समझौते की संदर्भ शर्तों (टीओआर) पर हस्ताक्षर किए गए। नई दिल्ली स्थित वाणिज्य भवन में अपर वाणिज्य सचिव और मुख्य वातार्कार श्री अजय भादू और खाड़ी सहयोग परिषद सचिवालय के मुख्य वातार्कार डॉ. राजा अल मरजूकी ने इस पर हस्ताक्षर किए।

संदर्भ शर्तें जीसीसी-भारत मुक्त व्यापार समझौता वार्ता को निर्देशित करेंगे, इसके दायरे और तौर-तरीके परिभाषित करेंगे।

हस्ताक्षर समारोह में श्री पीयूष गोयल ने जोर देकर कहा कि भारत और खाड़ी सहयोग परिषद के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) वैश्विक हित में महत्वपूर्ण साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता निश्चितता और स्थिरता लाएगा, जिससे दोनों पक्षों के बीच संबंध और प्रगाढ़ होंगे। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया

कि मुक्त व्यापार समझौते से वस्तुओं और सेवाओं का निर्बाध प्रवाह और निवेश आकर्षित होगा। साथ ही समझौते से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और क्षेत्र में खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा बढ़ने से दोनों पक्षों के बीच गहरे आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे।

खाड़ी सहयोग परिषद के महासचिव और मुख्य वातार्कार डॉ. अल मरजूकी ने इस बात पर जोर दिया कि खाड़ी सहयोग परिषद और भारत के बीच ऐतिहासिक व्यापारिक संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि संदर्भ शर्तों पर हस्ताक्षर पारस्परिक रूप से लाभकारी मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में वार्ता की शुरूआत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मुक्त व्यापार समझौता भारत और जीसीसी के बीच संबंधों में मजबूती लाएगा जो विशेष रूप से मौजूदा वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में अहम है।

डॉ. राजा अल मरजूकी ने यात्रा के दौरान वाणिज्य सचिव श्री राजेश अग्रवाल से मुलाकात की और भारत और जीसीसी के बीच समग्र आर्थिक साझेदारी मजबूत करने और परस्पर हित के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

भारत-खाड़ी सहयोग परिषद मुक्त व्यापार समझौता भारत के व्यापार और वाणिज्य में दीर्घकालिक ऐतिहासिक संबंध रहे महत्वपूर्ण क्षेत्र के साथ व्यापार बढ़ाने और विस्तारित करने की अपार क्षमता प्रदान करता है।

## दीदी की चुनावी रेवड़ी! बेरोजगार युवाओं को ₹1500 महीना-महिलाओं को ₹500 ज्यादा-कैसे मिलेंगे?

पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने 2026-27 के लिए 4.06 लाख करोड़ रुपये का अंतरिम बजट पेश किया है, जिसे चुनावी साल की 'रेवड़ी' माना जा रहा है। बजट में महिलाओं, युवाओं और गिग वर्कर्स पर फोकस है, खासकर लोकप्रिय लक्ष्मी भंडार योजना में 500 रुपये की मासिक बढ़ोतरी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने इसे 'जन-केंद्रित' बताया, लेकिन विपक्ष इसे वोट बैंक की राजनीति कह रहा है। लक्ष्मी भंडार पश्चिम बंगाल की फ्लैगशिप वेलफेयर स्कीम है, जो महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर फोकस करती है। यह 2021 में लॉन्च हुई, और अब राज्य की करोड़ों महिलाओं को हर महीने डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (ऊइळ) से पैसे मिलते हैं। योजना का मकसदः महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, घरेलू खर्चों में मदद और वोट बैंक मजबूत करना। चुनावी साल में इसे 'रेवड़ी' कहा जा रहा है, क्योंकि यह महिलाओं के बीच ळटउ की पॉपुलैरिटी बढ़ाती है। नई बढ़ोतरीः फरवरी 2026 से ₹500 एक्स्ट्रा, कितना मिलेगा अब? बजट का सबसे बड़ा ऐलान लक्ष्मी भंडार में 500 रुपये की मासिक बढ़ोतरी है, जो फरवरी 2026 से लागू होगी।

# चाइनीज मांझे से मौतः सीएम योगी ने लगाई रोक, हरकत में आए प्रशासन ने शुरू की छापेमारी, कल हुई थी दर्दनाक मौत

लखनऊ, (जीएनएस)।

यूपी में चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है। वहीं, इसके कारण होने वाली मौतों को हत्या माना जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस संबंध सख्त निर्देश जारी किए हैं।

राजधानी लखनऊ के बाजारखाला में चीनी मांझे में फंसकर एक युवक की मौत के बाद प्रदेश की योगी सरकार ने सख्त निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ने इस संबंध में पुलिस अधिकारियों को पूरे राज्य में छापेमारी करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि चीनी मांझे से होने वाली मौतों को हत्या माना जाएगा। पूरे राज्य में की गई कार्रवाई की उच्च स्तर पर समीक्षा की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी के निर्देश के बाद प्रशासन सक्रिय हुआ और लखनऊ शहर में पतंग की कई दुकानों पर छापेमारी की है। शहर के हैदरगंज और मोतीझील इलाके में पुलिस ने छापेमारी की है। मोतीझील इलाके में डीसीपी विश्वजीत श्रीवास्तव, एडीसीपी धनंजय सिंह विक्रम और बाजारखाला थाना पुलिस ने छापेमारी की।

बुधवार को बाजारखाला में पतंग

की डोर ने एक युवक का गला रेत गया। इस दौरान गले की नस कट जाने से युवक की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, कुछ दिन पहले हवा में उड़ती पतंग के तार के हाईटेंशन लाइन पर गिर जाने से मेट्रो मेट्रो ट्रेनें जहां की तहां रुक गई थीं।

बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने चीनी मांझे के इस्तेमाल पर रोक लगा दी है और इसके कारण होने वाली मौतों को हत्या की श्रेणी में रखा जाएगा। मांझे के इस्तेमाल पर रोक के लिए पूरे राज्य में कार्रवाई की जाएगी जिसकी उच्चस्तर पर समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है।

लखनऊ के बाजारखाला हैदरगंज ओवरब्रिज पर बुधवार दोपहर मांझे की चपेट में आने से बाइक सवार दुबग्गा के सीते बिहार निवासी सैयद शोएब (34) की गर्दन कटने मौत हो गई। शोएब मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव थे और किसी काम से मिल एरिया की ओर से हैदरगंज जा रहे थे।

इंस्पेक्टर बाजारखाला बृजेश सिंह ने बताया कि ओवरब्रिज पर अचानक हवा में लटका मांझा शोएब की गर्दन में फंस गया। मांझा इतना तेज और मजबूत था कि उससे शोएब की गर्दन की नस कट गई। दर्द से तड़पते हुए उन्होंने मांझा हटाने की कोशिश की, लेकिन इसी दौरान बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई और वह सड़क पर गिर पड़े। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत ई-रिक्शा से उन्हें ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। कई बाइक सवार आगे-आगे रास्ता खाली कराते रहे ताकि समय पर इलाज मिल सके। बावजूद इसके अत्यधिक खून बह जाने के कारण डॉक्टर उन्हें बचा नहीं सके।

# भारत सरकार, नागालैंड सरकार और ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ईएनपीओ) के प्रतिनिधियों के बीच एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के शांतिपूर्ण और समृद्ध पूर्वोत्तर के विजन को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर आज भारत सरकार, नगालैंड सरकार और ईस्टर्न नगालैंड पीपुल्स ऑर्गनाइजेशन (ENPO) के प्रतिनिधियों के बीच नई दिल्ली में एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। ENPO नगालैंड के छह पूर्वी जिलों के आठ मान्यता प्राप्त नगा जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाला शीर्ष संगठन है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह और नगालैंड के मुख्यमंत्री श्री नेफिउ रियो की उपस्थिति में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से नगालैंड के छह जिलों — तुएनसांग (Tuensan), मोन (Mon), किफिरे (Kiphire), लॉन्गलेंग (Longleng), नोकलाक (Noklak) और शमाटोर (Shamator)—के लिए फ्रंटियर नगालैंड टेरिटोरियल अथॉरिटी (FNTA) के गठन का मार्ग प्रशस्त होगा और FNTA को 46 विषयों के संबंध में शक्तियों का हस्तांतरण किया जाएगा।

इस अवसर पर अपने सम्बोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि

आज का दिन विवादमुक्त उत्तर पूर्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने उग्रवादमुक्त, हिंसामुक्त, विवादमुक्त और विकसित नॉर्थ पूर्वी की जो कल्पना की है उसमें हम आज एक कदम और आगे बढ़े हैं। उन्होंने कहा कि 11 साल पहले पूर्वोत्तर में कई हथियारबंद ग्रुप्स और विवाद उत्तर पूर्व की शांति को बिखराव की दिशा में ले जाते थे। साथ ही कई अंतर राज्य विवाद राज्यों की शांति को भंग करते थे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली सरकार हर विवाद का समाधान खोजने के लिए कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि 2019 से अब तक मोदी सरकार ने नॉर्थ ईस्ट में 12 महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें केवल समझौते करती थीं, लेकिन मोदी सरकार की परंपरा रही है कि हम जो समझौते करते हैं, उन्हें अक्षरशः और भावनात्मक रूप से पूर्णतः लागू भी करते हैं। गृह मंत्री ने कहा कि वे ENPO के प्रतिनिधियों को यह विश्वास दिलाना चाहते हैं कि भारत सरकार पूर्वी नागालैंड के विकास में सहायता भी करेगी और इसकी जिम्मेदारी भी उठाएगी। भारत सरकार ईस्टर्न नागालैंड के विकास में मदद भी करेगी और जिम्मेदारी भी उठाएगी। श्री शाह ने कहा कि प्रत्येक वर्ष एक निश्चित राशि निर्धारित की जाएगी तथा गृह मंत्रालय establishment के लिए प्रारंभिक व्यय भी वहन करेगा।

# नीलामी, वित्तीय सुधारों और इंफ्रास्ट्रक्चर को सुव्यवस्थित करने की पहलों के माध्यम से 5जी रोलआउट में तेजी

**सरकार उच्च सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए देश के सभी भागों में दूरसंचार सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्धः संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया**

**सरकार स्पेक्ट्रम नीलामी, वित्तीय सुधारों और इंफ्रास्ट्रक्चर को सुव्यवस्थित करने की पहलों के माध्यम से 5जी रोलआउट में तेजी ला रही है**

(जीएनएस)।

सरकार देश भर में उच्च सेवा गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए दूरसंचार सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है। सर्विस परफॉर्मेंस का आकलन टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) द्वारा तय क्वालिटी ऑफ सर्विस (क्यूओएस) बेंचमार्क के आधार पर किया जाता है।

हाल ही में, ट्राई ने इन क्यूओएस बेंचमार्क को संशोधित किया है, जिससे वे और सख्त हो गए हैं और वैश्विक मानकों के साथ तालमेल बिठाने के लिए एक ग्लाइड पाथ लागू किया है। इन बेंचमार्क में कॉल ड्रॉप रेट, पैकेट लॉस और सर्विस डाउनटाइम जैसे खास परफॉर्मेंस पैरामीटर शामिल हैं।

इन मेट्रिक्स के लिए आंकड़े.

टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर्स (टीएसपी) से सुनियोजित तरीके से एकत्र किए जाते हैं, और डिटेल्ड कम्प्लायंस रिपोर्ट हर महीने सार्वजनिक तौर पर प्रकाशित की जाती हैं।

दिसम्बर 2025 की ट्राई रिपोर्ट के अनुसार, महाराष्ट्र लाइसेंस्ड सर्विस एरिया (एलएसए) में सभी टीएसपी ने कॉल ड्रॉप रेट सहित नेटवर्क से जुड़े पैरामीटर्स के लिए सभी क्यूओएस बेंचमार्क पूरे किए। खास तौर पर, पुणे जिले में, सभी टीएसपी ने 4जी/5जी नेटवर्क के लिए ट्राई के क्यूओएस बेंचमार्क का पालन किया।

सेवा की गुणवत्ता को और सुरक्षित रखने के लिए, जनता से प्राप्त जानकारी के लिए एक खास सिस्टम बनाया गया है। नागरिक केन्द्रीकृत सार्वजनिक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस) पोर्टल के जरिए शिकायतें दर्ज करके खराब सर्विस की रिपोर्ट कर सकते हैं। विभाग इन शिकायतों का विश्लेषण करता है और प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित टीएसपी के साथ सीधे कोऑर्डिनेट करता है।

खास इलाकों की बात करें तो, वर्ष 2025-26 के दौरान हिंजेवाड़ी और बारामती में कॉल ड्रॉप से जुड़ी कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई है। हालांकि, नेटवर्क से जुड़ी समस्याओं के बारे में बहुत कम सर्विस शिकायतें दर्ज की गईं - हिंजेवाड़ी में तीन और बारामती में एक।

सितम्बर 2025 में ट्राई ने पुणे के हिंजेवाड़ी इलाके में एक इंडिपेंडेंट ड्राइव टेस्ट किया।

## बीएसएनएल स्वदेशी 4जी स्टैक लगाकर अपनी मौजूदा साइट्स अपग्रेड कर रहा है

बीएसएनएल ने अखिल भारतीय तैनाती के लिए देश में विकसित एक लाख 4जी साइट्स की खरीद का आदेश दिया है। 4जी उपकरण की सप्लाई सितम्बर 2023 से शुरू हो गई है और 15.01.2026 तक, कुल 97,672 4जी साइट्स लग चुकी हैं और 95,511 साइट्स ऑन-एयर हैं। आंध्र प्रदेश में, बीएसएनएल ने 6,108 4जी साइट्स इंस्टॉल की हैं, जिनमें से 15.01.2026 तक 6,045 साइट्स ऑन-एयर हैं। टेक्नोलॉजी के नजरिए से यह उपकरण 5जी अपग्रेडेबल है। जैसे-जैसे टेक्नोलॉजी विकसित होती है, उपभोक्ता नवीनतम टेक्नोलॉजी की तरफ बढ़ जाते हैं, जहाँ ऐसी टेक्नोलॉजी तैनात की जाती है। उसी विकास के अनुसार, बीएसएनएल के 4जी रोलआउट के हिस्से के तौर पर सभी 3ॠ ग्राहकों को 4जी सेवा दी जा रही हैं।

बीएसएनएल स्वदेशी 4जी स्टैक तैनात करके अपनी मौजूदा साइट्स को अपग्रेड कर रहा है। जहाँ 4जी सर्विस दी जा रही हैं, वहाँ 3जी सर्विस की कोई जरूरत नहीं है, इसलिए, दूसरे निमार्ताओं के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध की अब कोई जरूरत नहीं है।

# सम्पादकीय

## सोशल मीडिया के साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा

सोशल मीडियाः संवाद का माध्यम या निजता का संकट? आज संचार क्रांति का युग है। हर कोई सोशल मीडिया, एआई का प्रयोग कर रहा है। आधुनिक दौर में सोशल मीडिया ने हमारे अनेक कार्यो को आसान और सरल बनाया है। दूसरे शब्दों में कहें तो सोशल मीडिया ने संवाद को जितना सरल और व्यापक बनाया है, उतना ही जटिल निजता का प्रश्न भी खड़ा कर दिया है। आज व्यक्ति अपने जीवन के निजी क्षण–तस्वीरें, रील बनाकर अपने विचार, स्थान और दिनचर्या स्वेच्छा से सार्वजनिक मंचों पर साझा कर रहा है। यह सब आमतौर पर सोशल मीडिया मंचों पर साझा करना कभी–कभी आत्म–अभिव्यक्ति का माध्यम होता है, तो कई बार अनजाने में अपनी निजता को जोखिम में डालने का कारण बन जाता है। 'लाइक' और 'व्यू' की होड़ में निजी सीमाएँ धुंधली होती जा रही हैं। यहां यदि हम सरल शब्दों में कहें तो आज के समय में तकनीक हमारीज़िदगी की पल–पल की अहम व महत्वपूर्ण जरूरत बन चुकी है। मोबाइल, इंटरनेट और सोशल मीडिया ने काम आसान और तेज़ कर दिए हैं, लेकिन इसके साथ एक बड़ा खतरा भी जुड़ा है–निजता का खतरा। आज के समय में अधिकांश लोगों के पास स्मार्टफोन है और वे सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि ऐप या प्लेटफॉर्म पर साइन–अप करते समय जो निजी जानकारी वे देते हैं, उसका गलत इस्तेमाल भी हो सकता है। कई बार यह जानकारी हमारी अनुमति के बिना किसी और को दी जा सकती है। बहरहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि भारत ही नहीं आज संपूर्ण विश्व स्तर पर स्मार्टफोन उपयोग तेजी से सर्वव्यापी हो चुका है। 2025 के आसपास उपलब्ध ताज़ा वैश्विक अनुमानों के अनुसार दुनिया में लगभग 6.8–7.1 अरब लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर रहे हैं, जबकि साथ्यि स्मार्टफोन डिवाइसों की संख्या 7 अरब से अधिक मानी जाती है, क्योंकि कई उपयोगकताओं के पास एक से अधिक फोन हैं। इसका अर्थ यह है कि वैश्विक आबादी का करीब 85–90 प्रतिशत हिस्सा किसी न किसी रूप में स्मार्टफोन से जुड़ चुका है। यदि हम यहां पर भारत की बात करें तो देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार बन चुका है। साल 2024–2025 के आंकड़ों के अनुसार भारत में स्मार्टफोन उपयोगकताओं की संख्या लगभग 65–70 करोड़ (650–700 मिलियन) है, जो वुल जनसंख्या का करीब 45–50 प्रतिशत बैठती है। ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट और 4जी/5जी नेटवर्व के विस्तार के कारण यह संख्या तेजी से बढ़ रही है और विभिन्न रिपोर्टो के अनुसार 2026 तक भारत में स्मार्टफोन उपयोगकर्ता 100 करोड़ के आसपास पहुँच सकते हैं । इस ाम में यहां यह गौरतलब है कि एक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मेटा और व्हाट्सऐप को कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने साफ कहा कि कोई भी वंपनी नागरिकों की निजी जानकारी के साथ मनमानी नहीं कर सकती और निजता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आज का जमाना डिजिटल है और इस डिजिटल युग में आज मोबाइल नंबर, बैंक खाता, आधार जैसी जगहों पर हमें अपनी निजी और कभी–कभी बायोमेट्रिक जानकारी भी देनी पड़ती है। अगर यह जानकारी गलत हाथों में चली जाए, तो बड़ा नुकसान हो सकता है। समस्या यह भी है कि यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि हमारी जानकारी आखिर कहां–कहां पहुंच चुकी है। सोशल मीडिया पर भी यही खतरा रहता है, क्योंकि ज़्यादातर लोग नियम और शर्ते पढ़े बिना ही 'सहमति' दे देते हैं।

# केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने भारत की पहली सहकारिता-आधारित टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का औपचारिक शुभारंभ किया

(जीएनएस)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में भारत की पहली सहकारिता–आधारित टैक्सी सेवा 'भारत टैक्सी' का औपचारिक शुभारंभ किया। इस अवसर पर केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर एवं श्री मुरलीधर मोहोल और सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आए 1,200 से अधिक 'सारथियों' (ड्राइवर पार्टनर्स) ने भाग लिया, जो भारत टैक्सी के चालक सशक्तिकरण और सहकारी स्वामित्व आधारित मॉडल के प्रति व्यापक समर्थन को दशार्ता है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए मालिकाना हक का एक मॉडल तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि तीन साल के अंदर कश्मीर से कन्याकुमारी और द्वारका से कामख्या तक सहकार टैक्सी हमारे टैक्सी सार्थियों के कल्याण का एक बहुत बड़ा माध्यम बन जाएगी। श्री शाह ने कहा कि जब पहली बार उन्होंने संसद के सामने सहकार टैक्सी का विषय रखा तो बहुत सारे लोगों, खासकर टैक्सी परिचालन से जुड़ी कंपनियों, ने सवाल उठाया कि सरकार टैक्सी के क्षेत्र में क्यों प्रवेश कर रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों को 'सहकार' और 'सरकार' के बीच का भेद नहीं मालूम है। श्री शाह ने कहा कि सरकार टैक्सी के क्षेत्र में प्रवेश नहीं रही, बल्कि सहकार (उङ्क्ष्ङ्म्री१ं३ङ्मल्ल) टैक्सी के क्षेत्र में प्रवेश कर रहा है।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि शायद पूरी दुनिया में पहली बार ऐसी अनूठी कंपनी अस्तित्व में आ रही है, जिसका असली मालिक कोई व्यक्ति या बाहरी कंपनी नहीं, बल्कि टैक्सी चलाने वाला सारथी ही है। सहकार टैक्सी से जुड़े हर एक सारथी भाई–बहन ही इस सहकारी टैक्सी समिति के सच्चे मालिक हैं। उन्होंने कहा कि यह संकल्पना सहकार टैक्सी से जुड़ने वाले सारथियों के जीवन, आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिति में आमूल–चूल परिवर्तन लाने वाली है। श्री शाह ने यह भी कहा कि हमारे देश में पहले ऐसे कई मॉडल सफल हो चुके हैं। सिर्फ 11 दूध उत्पादकों ने अमूल की शुरूआत की थी। आज गुजरात में 36 लाख से अधिक पशुपालक महिलाओं का विशाल वटवृक्ष खड़ा हो चुका है। यह पशुपालक महिलाएं सवा लाख करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार करती हैं। उन्होंने कहा कि यह मॉडल दशार्ता है कि जब आम लोग स्वयं मालिक बनते हैं, तो छोटी शुरूआत भी बहुत बड़े परिणाम दे सकती है। उन्होंने कहा कि पशुपालक बहनें आज दूध बेचकर एक करोड़ रुपए तक की सालाना कमाई कर रही हैं, जो सहकारी मॉडल का कमाल है।

श्री अमित शाह ने टैक्सी सारथियों से अपील की कि वे अभी भी टैक्सी चलाते हैं, सहकार टैक्सी से जुड़ने के बाद भी टैक्सी चलाएँगे, लेकिन दोनों में एक बड़ा फर्क होगा। उन्होंने कहा कि अभी टैक्सी का पहिया किसी और की जेब में पैसे डालता है, लेकिन अब सारथियों की टैक्सी के पहिये की कमाई सारथियों की जेब में ही जाएगी। उन्होंने कहा कि यह विचार सहकारिता की भावना से ही जन्म लेता है। सहकारिता का असली अर्थ यही है कि जब ढेर सारे छोटे–छोटे पूंजी वाले लोग अपनी ताकत को

एकत्रित कर लेते हैं, तो वे मिलकर बहुत बड़े–बड़े काम कर पाते हैं। जिनके पास बहुत बड़ी पूंजी होती है, वे अकेले बड़ा काम करते हैं और मुनाफा भी कुछ ही लोगों तक सीमित रहता है। श्री शाह ने कहा कि आज जिस सहकारिता मॉडल की बात की जा रही है, वही आज के समय में सबसे नई और सबसे सफल शुरूआत है। उन्होंने कहा कि अब टैक्सी का पहिया किसी और की कमाई के लिए नहीं, बल्कि टैक्सी सारथियों की समृद्धि और खुशहाली के लिए घूमेगा।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि भारत में कई विश्व–स्तरीय सहकारी मॉडल खड़े हो चुके हैं, जिनमें अमूल, इफको, कृभको जैसी संस्थाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से किसी भी सहकारी संस्था में शुरूआती पूंजी बहुत बड़ी नहीं थी। इसी तरह सहकार टैक्सी में सबसे बड़ी शेयर पूंजी सिर्फ 500 रुपये है और वही 500 रुपये सारथियों को असली मालिक का दर्जा दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह छोटी सी राशि टैक्सी सारथियों की मेहनत, आत्मसम्मान और उनकी आर्थिक आजादी की नींव बनने जा रही है।

श्री अमित शाह ने कहा कि हर पाँच साल पर होने वाले चुनाव के बाद टैक्सी सारथियों द्वारा चुने गए दो प्रतिनिधि बोर्ड में बैठेंगे। वे ही उनके हितों की देखभाल करेंगे और उनके लिए फैसले करेंगे। यही सहकारिता की आत्मा और सच्चे मालिकाना हक की भावना है। उन्होंने कहा कि सहकार टैक्सी कुल मुनाफे में सिर्फ 20 फीसदी पैसे ही अपने पास रखेगी, यानि 100 रुपए में से 20 रुपए ही सहकार टैक्सी अपने पास रखेगी, जिसके मालिक सारथी ही हैं। श्री शाह ने कहा कि सारा मुनाफा भारत टैक्सी से जुड़े सारथी के अकाउंट में ही जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी के पूंजी खाते में पड़े 20 रुपए के मालिक भी सारथी ही होंगे।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी की कल्पना मौजूदा तीनों प्रकार के टैक्सी वाहनों को एक साथ जोड़कर की गई है जिसमें चार पहिया टैक्सी, तीन पहिया और दो पहिया वाहन शामिल हैं। उन्होंने देश की मातृ शक्ति को संदेश दिया कि भारत टैक्सी उनकी सुरक्षा को सर्वोपरि रखेगी। उन्होंने कहा कि हमने सारथी दीदी की एक खास संकल्पना तैयार की है जिसके तहत आने वाले समय में ऐप में 'सारथी दीदी' के लिए एक अलग विंडो होगी, जिसके जरिए रजिस्ट्रेशन कराने वाली किसी भी महिला को केवल 'सारथी दीदी' ही पिक करने आएंगी। श्री शाह ने कहा 'सारथी दीदी' दो पहिया वाहन लेकर आएंगी और बहुत कम किराए में सुरक्षित रूप से गंतव्य तक पहुंचाएंगी। उन्होंने कहा कि यह सुविधा महिलाओं के लिए बहुत बड़ी और व्यावहारिक राहत साबित होगी। आने वाले दिनों में सारथी दीदी के माध्यम से देश की मातृ शक्ति को एक सुरक्षित, किफायती और सम्मानजनक यात्रा का विकल्प उपलब्ध होगा। यह सिर्फ एक सेवा नहीं बल्कि महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, दिल्ली मेट्रो रेल निगम, एयरपोर्ट अर्थॉरिटी, इफको टोक्यो इंश्योरेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित कुल नौ प्रमुख संस्थाओं के साथ भारत टैक्सी ने समझौता (एमओयू) किया है। इन समझौतों के जरिए भारत टैक्सी के ग्राहकों को कई अतिरिक्त सुविधाएँ मिलेंगी और साथ ही इन सभी संस्थाओं को भारत टैक्सी की सेवाएँ आसानी से उपलब्ध हो सकेंगी। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएँ अब सहकार टैक्सी की सफलता में हिस्सेदार बन चुकी हैं। यह स्वामित्व मॉडल पर आधारित नया टैक्सी कॉन्सेप्ट आज पहली बार भारत में लॉन्च किया गया है, जो न केवल सारथियों के लिए मालिकाना हक की भावना लाता है, बल्कि यात्रियों और विभिन्न संस्थाओं के लिए भी एक भरोसेमंद और सुविधाजनक विकल्प प्रस्तुत करता है।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी द्वारा तय किया गया फिक्स्ड चार्ज सारथियों के अकाउंट से अलग रहेगा। इसके अलावा, भारत टैक्सी सारथियों की पसीने की कमाई से एक प्रतिशत भी कमीशन नहीं काटेगी, जिससे उनकी समृद्धि तेजी से बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी का उद्देश्य कंपनी की पूंजी को बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत टैक्सी के असली मालिक, सारथी भाइयों और सारथी दीदियों, का मुनाफा और आय बढ़ाना है। श्री शाह ने कहा कि ग्राहक द्वारा किया गया भुगतान सीधे सारथी के अकाउंट में तत्काल ऑटोमैटिकली ट्रांसफर हो जाएगा। इसके लिए इंतजार नहीं करना पड़ेगा। किसी भी सारथी का अकाउंट बिना उचित सुनवाई के बंद नहीं किया जाएगा। हालांकि, सारथियों का भी दायित्व है कि वे ग्राहकों के साथ अच्छा व्यवहार करें, अपनी टैक्सी की गुडविल बनाए रखें और सेवा की गुणवत्ता पर ध्यान दें। उन्होंने कहा कि शिकायतों की सुनवाई के लिए पूरी व्यवस्था की गई है और निष्पक्ष सुनवाई के बाद ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि अब तक बुकिंग फीस, प्लेटफॉर्म फीस और भारी कमीशन जैसी बातें कंपनी की बैलेंस शीट को मोटा करती थीं और सारथी की कमाई को घटाती थीं। भारत टैक्सी में ऐसी कोई फीस या कमीशन की व्यवस्था ही नहीं है और सारथी ही मालिक होंगे। यह विचार पश्चिमी सोच वाले लोगों को शायद समझ न आए, लेकिन यही सहकारिता की असली ताकत है।

श्री अमित शाह ने कहा कि भारत टैक्सी की शुरूआत सहकारिता क्षेत्र के लिए नए आयाम खोलने की भी शुरूआत है। पिछले 125 वर्षों से भारत में सहकारिता आंदोलन चल रहा है, लेकिन अब समय आ गया है कि सहकारी मॉडल को नए–नए क्षेत्रों में ले जाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सहकारिता मंत्रालय असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए मालिकाना हक वाला मॉडल तैयार कर रहा है। आने वाले समय में हम तीन–चार ऐसे क्षेत्रों में इस मॉडल को आगे बढ़ाएंगे, जहां मेहनत करने वाले व्यक्ति के पसीने और परिश्रम का फल उसी के पास रहेगा।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी के चार मूल मंत्र हैं—स्वामित्व सुरक्षा कवच , सम्मान और सबका पहिया, सबकी प्रगति, यानी सभी के लिए लाभांश का उचित वितरण। इन्हीं चार उद्देश्यों के साथ भारत टैक्सी की शुरूआत हुई है और आने वाले समय में यह एक बहुत सफल प्रयोग साबित होगा। उन्होंने कहा कि 6 जून 2025 को इसकी स्थापना हुई और आज से यह कमर्शियली लॉन्च हो रही है। महज 8 महीनों के भीतर दिल्ली और गुजरात में किसी भी अन्य टैक्सी कंपनी से ज्यादा सारथी और ग्राहक भारत टैक्सी से जुड़ चुके हैं। इतने कम समय में इतने बड़े पैमाने पर रजिस्ट्रेशन किसी अन्य कंपनी ने नहीं कराए हैं। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हमारे सारथी भाइयों–बहनों को इंश्योरेंस, सरकारी रोजगार योजनाओं, लोन, सब्सिडी और गिग वर्कर से जुड़ी सभी सरकारी योजनाओं का लाभ स्वतः मिल सकेगा। हम इस दिशा में लगातार काम कर रहे हैं ताकि हर सारथी को पूरा सम्मान, सुरक्षा और आर्थिक मजबूती मिल सके।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने वर्ष 2020–21 में एक महत्वपूर्ण पहल शुरू की थी। अब 2025–26 के बजट में भारत सरकार देश भर के सवा करोड़ के लिए ढेर सारी योजनाएं और सुविधाएं लेकर आई हैं। पहले ई–श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन का अधिकार केवल उन लोगों को था जिनकी पेंशन कटती थी या जो औपचारिक रूप से मान्यता प्राप्त श्रमिक के रूप में पंजीकृत थे। अब इस सीमा को हटाकर देश के सवा करोड़ ॠ हङ्ग१ं१२ ई–श्रम पोर्टल पर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत टैक्सी से जुड़े सभी सारथी अब आसानी से ई–श्रम पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के बाद उन्हें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पांच लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज अपने और अपने परिवार के लिए स्वतः उपलब्ध हो जाएगा। भारत टैक्सी से जुड़ते ही सारथियों को यह मुफ्त चिकित्सा सुविधा मिलनी शुरू हो जाएगी। इसके अलावा ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकृत श्रमिकों के लिए उपलब्ध अन्य कई सामाजिक सुरक्षा योजनाएं भी आपके लिए अपने आप सक्रिय हो जाएंगी।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि भारत टैक्सी का मॉडल न केवल सारथियों की आर्थिक स्थिति को मजबूत।

# होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने दमदार नए डियो 125 -एडिशन के साथ क्लीन और एलिगेंट शाइन 125 लिमिटेड एडिशन लॉन्च किया

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (एचएमएसआई) ने आज दो नए प्रोडक्ट्स लॉन्च किए डियो 125 –एडिशन, जिसकी कीमत ₹87,733 है, और शाइन 125 लिमिटेड एडिशन, जिसकी कीमत ₹86,211 है (दिल्ली एक्स–शोरूम)। आज के बदलते राइडर्स को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किए गए ये दोनों स्पेशल एडिशन एक रिफ्रेश्ड आइडेंटिटी, आकर्षक नए ग्राफिक्स और प्रीमियम डिजाइन एन्हांसमेंट्स के साथ पेश किए गए हैं, जो तेजी से बढ़ते भारतीय टू–व्हीलर मार्केट में इनकी अपील को और बढ़ाते हैं।

नए स्पेशल एडिशन पेश करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर, प्रेसिडेंट और सीईओ श्री त्सुत्सुमु ओतानी ने कहा, 'होंडा में हम लगातार ऐसे प्रोडक्ट्स लाने का प्रयास करते हैं जो भारत के न्यू–एज राइडर्स की आकांक्षाओं से जुड़ें। बिल्कुल नया डियो 125 –एडिशन और शाइन 125 लिमिटेड एडिशन, स्टाइल की नई अभिव्यक्तियां पेश करने के साथ–साथ उस भरोसे और विश्वसनीयता को भी दशार्ते हैं, जिसकी उम्मीद ग्राहक होंडा से करते हैं। ये लिमिटेड एडिशन एक्सप्रेसिव डिजाइन को होंडा की भरोसेमंद क्वालिटी के साथ जोड़ते हैं, ताकि हर राइड आत्मविश्वास भरी और सहज महसूस हो।'

लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया के डायरेक्टर सेल्स एंड मार्केटिंग, श्री योगेश माथुर ने कहा, 'डियो 125 –एडिशन होंडा की अपनी जेन` डिजाइन टीम द्वारा तैयार की गई बोल्ड और यूथफुल एनर्जी के साथ आता है, जो आज के युवा राइडर्स की व्यक्तिगत पहचान को दशार्ता है। वहीं, शाइन 125 लिमिटेड एडिशन एक क्लीन और टाइमलेस डिजाइन अप्रोच अपनाता है, जो मोटरसाइकिल के स्लीक स्कल्प्चर्ड फॉर्म और रिफाइंड लुक को उभारता है। इन नए एडिशन्स के साथ हमारा लक्ष्य राइडर्स को स्टाइल, कम्फर्ट और रोजमर्रा की भरोसेमंद परफॉर्मेंस का संतुलन देना है, ताकि वे सड़क पर आत्मविश्वास के साथ खुद को अभिव्यक्त कर सकें। दोनों मॉडल होंडा के सोच–समझकर किए गए डिजाइन और सभी के लिए सुरक्षित व सहज राइडिंग अनुभव पर फोकस को बरकरार रखते हैं।'

डियो 125 –एडिशनः

डियो 125 –एडिशन बॉडी पैनल्स पर दिए गए एक्सक्लूसिव –एडिशन ग्राफिक्स के साथ एक दमदार और नई पर्सनैलिटी को दशार्ता है, जो इसके सिलुएट को बोल्ड और यूथफुल एज देते हैं। साइबर ड्रिफ्ट थीम से प्रेरित इसका ड्यूल–टोन कलर स्कीम पर्ल डीप ग्राउंड ग्रे के साथ पर्ल सायरन

ब्लू—स्कूटर को एनर्जेटिक स्टांस प्रदान करता है।

इसके स्पोर्टी अपील को और बढ़ाते हुए, –एडिशन में आकर्षक मैट फ्रैश कलर के कलर्ड अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। साइड्स पर मौजूद नए –एडिशन डेकल्स इसके ' फैक्टर' को हाईलाइट करते हैं, जो स्कूटर की एक्सप्रेसिव और इंडिपेंडेंट स्पिरिट को और मजबूत करते हैं। यह जेन` और युवा वर्किंग राइडर्स के लिए एक परफेक्ट चॉइस है, जो आत्मविश्वास और अपनी अलग पहचान को सड़क पर दिखाना चाहते हैं।

शाइन 125 लिमिटेड एडिशनः

शाइन 125 लिमिटेड एडिशन भारत की सबसे भरोसेमंद और सराही गई 125 मोटरसाइकिलों में से एक की पहचान को आगे बढ़ाता है, जिसे अब एक मॉडर्न और मिनिमलिस्ट थीम के साथ नए रूप में पेश किया गया है। यह क्लीन सिम्प्लिसिटी की भावना को उभारते हुए मोटरसाइकिल को प्रीमियम, कम्फर्टेबल और रोजमर्रा के उपयोग के लिए आसान बनाता है।

शाइन 125 लिमिटेड एडिशन में नए प्रीमियम ग्राफिक्स दिए गए हैं, जो मॉडल की आइकॉनिक पहचान को बनाए रखते हुए इसे एक अधिक रिफाइंड विजुअल कैरेक्टर देते हैं। पर्ल सायरन ब्लू कलर में उपलब्ध यह लिमिटेड एडिशन पाइराइट ब्राउन फिनिश अलॉय व्हील्स के साथ आता है, जो इसके टाइमलेस अपील में एक सॉफिस्टिकेटेड टच जोड़ते हैं। यह डिजाइन अप्रोच 'क्लीन सरफेस लुक' पर केंद्रित है, जो फंक्शनैलिटी और सादगी को दशार्ता है।

नया Dio 125 –Edition और Shine 125 Limited Edition फ्रेश, डायनामिक और प्रीमियम अपील देने के लिए खास तौर पर तैयार किए गए हैं। इन नए एडिशन्स के साथ, HMSI देशभर के राइडर्स के लिए एक्सेसिबल और रिफाइंड मोबिलिटी ऑप्शन्स पेश करने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ा रहा है।

# भारत के खिलाफ फेल हो गया अमेरिका का ऑयल ट्रैप! रूस के बयान ने व्हाइट हाउस में मचाई हलचल

(जीएनएस)।

रूस और भारत के बीच दशकों पुराने रिश्तों में दरार आने की अफवाहों पर रूस ने विराम लगा दिया है। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने साफ कर दिया है कि भारत और रूस के बीच एनर्जी पार्टनरशिप (ऊर्जा सहयोग) को लेकर भारत का रुख बदलने का कोई कारण नहीं दिखता।

जखारोवा ने कहा कि रूस से संसाधनों का व्यापार दोनों देशों के लिए फायदेमंद है और यह वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए जरूरी है।

'भारत कोई नया खरीदार नहीं'

इस बीच क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने भी भारत का समर्थन करते हुए कहा कि रूस भारत के लिए एकमात्र तेल आपूर्तिकर्ता नहीं है और भारत हमेशा से अन्य देशों से भी तेल खरीदता रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस व्यापारिक रिश्ते में कुछ भी 'नया' नहीं है, बल्कि यह एक सामान्य और लाभकारी प्रक्रिया है।

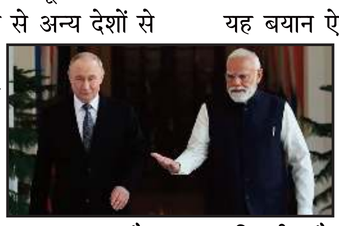

रूस के इन बयानों के बीच भारत के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने संसद में देश की रणनीति साफ की। उन्होंने कहा कि, 140 करोड़ भारतीयों की ऊर्जा सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और बाजार की स्थिति को देखते हुए अपने एनर्जी सोर्स में विविधता लाना हमारी रणनीति का अहम हिस्सा है।'

यह बयान ऐसे समय में आए हैं जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर अमेरिका में हैं और वहां के विदेश मंत्री मार्को रुबियो के साथ द्विपक्षीय बैठकों में हिस्सा ले रहे हैं। जयशंकर ने अमेरिका में इंडो–पैसिफिक, पश्चिम एशिया और यूक्रेन संघर्ष जैसे वैश्विक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की।

हालांकि जयशंकर अमेरिका के साथ खनिज सुरक्षा और 'FORGE' पहल पर सहयोग बढ़ा रहे हैं, लेकिन रूस का यह बयान स्पष्ट करता है कि भारत ने 'ऑयल गेम' में अपने पुराने मित्र का साथ छोड़ने का कोई संकेत नहीं दिया है।

एक सवाल के जवाब में कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि भारत रूस के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेगा, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'सरकार ने कई मौकों पर सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1.4 अरब भारतीयों की एनर्जी सिक्योरिटी सुनिश्चित करना हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

ऑब्जेक्टिव मार्केट की स्थितियों और बदलते अंतरराष्ट्रीय माहौल को ध्यान में रखते हुए अपने एनर्जी सोर्स को डाइवर्सिफाई करना इसे सुनिश्चित करने की हमारी रणनीति का मुख्य हिस्सा है।

# टैरिफ घटने से चावल, मसाले और टेक्सटाइल निर्यात को मिलेगा बल, कपास किसानों की आय बढ़ेगी

(जीएनएस)।

भारत–यूएस ट्रेड डील को लेकर विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे भ्रामक आरोपों के बीच केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने स्पष्ट किया है कि इस समझौते में भारतीय कृषि, विशेषकर कृषि और डेयरी सेक्टर के हितों से कोई समझौता नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि यह डील प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में डिप्लोमेसी, डेवलपमेंट और डिग्निटी का नया उदाहरण है और प्रधानमंत्री जी ने शुरू से साफ कर दिया था कि किसान हित सर्वोपरि हैं।

दिल्ली में आज मीडिया से चर्चा के दौरान केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि हमारे मुख्य अनाज, फल, प्रमुख फसलें, मिलेट्स और डेयरी उत्पाद पूरी तरह सुरक्षित हैं और भारतीय कृषि या डेयरी पर किसी तरह का खतरा नहीं है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित पूरी तरह संरक्षित हैं और इस समझौते से उल्टा भारत के किसानों को नए अवसर मिलेंगे।

छोटे किसानों की चिंता और यूएस फार्म प्रोडक्ट्स पर स्थिति स्पष्ट

इस आशंका पर कि देश की 50 प्रतिशत से ज्यादा आबादी खेती पर निर्भर है और छोटे किसानों पर असर पड़ सकता है, केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने कहा कि कोई 'बड़ी चीज' भारत के बाजार में अचानक नहीं आएगी। उन्होंने कहा कि हमारी सभी मुख्य फसलें, मुख्य अनाज, फल और डेयरी उत्पाद सुरक्षित हैं और किसी भी ऐसे क्षेत्र के लिए बाजार नहीं खोला गया है, जो भारतीय किसानों के लिए नुकसानदेह हो सके।

यूएस ट्रेजरी सेक्रेटरी के उस ट्वीट से पैदा संशय पर, जिसमें अमेरिकी फार्म प्रोडक्ट्स के ज्यादा भारत आने की बात कही गई थी, श्री चौहान ने कहा कि वाणिज्य मंत्री श्री पीयूष गोयल ने संसद में पूरे तथ्य स्पष्ट कर दिए हैं और वे स्वयं भी दोहरा रहे हैं कि छोटे और बड़े, सभी भारतीय किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं और मुख्य कृषि उत्पादों के लिए बाजार इस प्रकार नहीं खोला गया है कि किसानों पर दबाव बने।

चावल, मसाले और टेक्सटाइल निर्यात को नया बल

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज

सिंह ने बताया कि भारत पहले से ही अमेरिका सहित विभिन्न देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है और हाल के आंकड़ों के अनुसार लगभग 63,000 करोड़ रुपये के चावल का निर्यात किया गया था।

उन्होंने कहा कि टैरिफ कम होने से हमारे चावल, मसालों और टेक्सटाइल के निर्यात को बल मिलेगा और जब टेक्सटाइल एक्सपोर्ट बढ़ेगा तो इसका सीधा लाभ कपास उगाने वाले हमारे किसानों को होगा। श्री चौहान ने कहा कि यह समझौता समग्र रूप से भारत के किसानों के हित में है और विपक्ष द्वारा भ्रम फैलाने के बावजूद तथ्य यही हैं कि किसान हित सुरक्षित हैं और निर्यात के नए अवसर खुल रहे हैं।

अगर विपक्ष बोलने ही नहीं देगा तो समझाया कैसे जाएगा'

जब यह सवाल उठा कि विपक्ष कह रहा है कि अगर ट्रेड डील कर रहे हैं तो सरकार आकर फाइन प्रिंट को संसद और देश के सामने समझाए, तो कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह ने दोहराया कि डील की सारी डिटेल्स समय पर सामने आएंगी, लेकिन उसका मूल साफ है – किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं।

किसान अन्नदाता, किसानों की सेवा भगवान की पूजा

कृषि मंत्री ने चिंता जताई कि कृषि का क्षेत्र इतना बड़ा है कि किसी भी तरह की अफवाह से किसानों में अनावश्यक चिंता और बेचैनी पैदा हो सकती है, इसलिए सरकार की ओर से स्पष्ट आश्वासन देना जरूरी है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

# 9वां परीक्षा पे चर्चा 6 फरवरी, 2026 को आयोजित किया जाएगा

**परीक्षा पे चर्चा राष्ट्रव्यापी स्तर पर कई स्थानों पर आयोजित होने वाला पहला कार्यक्रम है**

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का छात्रों के साथ अनूठा संवादात्मक कार्यक्रम, परीक्षा पे चर्चा (पीपीसी), अपने शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 को सुबह 10 बजे परीक्षा के तनाव पर चर्चा करने और परीक्षाओं को एक उत्सव और जीवन के अभिन्न अंग के रूप में मनाने के लिए वापस आ रहा है। यह परीक्षा पे चर्चा का 9वां आयोजन होगा।

इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के यूट्यूब चैनल, दूरदर्शन (डीडी) और शिक्षा मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, वेव्स ओटीटी, अमेजन प्राइम वीडियो, जियो, जी5, सोनी लिव और स्पॉटिफाई (ऑडियो प्लेटफॉर्म) जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर भी 'परीक्षा पे चर्चा' का लाइव प्रसारण होगा।

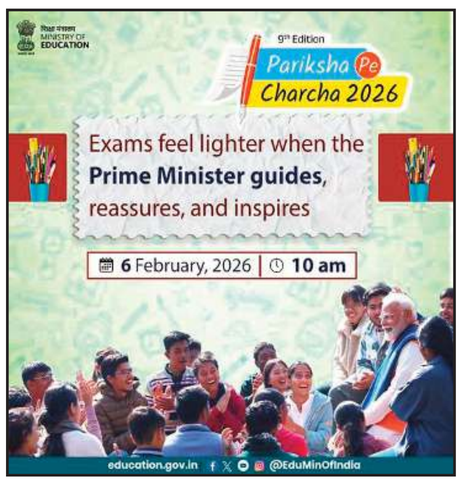


एनईपी 2020 के अनुरूप, पीपीसी की अवधारणा का उद्देश्य छात्रों के परीक्षा के अनुभव को नया रूप देना है, ताकि उनमें आत्मविश्वास, सकारात्मकता और समग्र कल्याण को बढ़ावा मिले और परीक्षा के अवसर को उत्सव के रूप में मनाया जा सके। प्रधानमंत्री ने अपने विचारों को अपनी पुस्तक "एग्जाम वॉरियर्स" में संक्षेप में प्रस्तुत किया है, जो कई भाषाओं और ब्रेल में उपलब्ध है। इसमें उन्होंने आत्मविश्वास पर बल दिया है और इन मुद्दों पर चर्चा करने की आवश्यकता पर जोर दिया है ताकि हमारे बच्चों को वह आनंदमय बचपन मिल सके जिसके वे हकदार हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा परिकल्पित, परीक्षा पे चर्चा एक सशक्त और नवोन्मेषी पहल है, जो हर साल नए-नए तथ्य पेश करती है। पहली बार, पीपीसी 2026 का आयोजन देश के सभी हिस्सों को कवर करते हुए कई स्थानों पर किया गया। दिल्ली के अलावा, पीपीसी 2026 का आयोजन तमिलनाडु के कोयंबटूर, छत्तीसगढ़ के रायपुर, गुजरात के देव मोगरा और असम के गुवाहाटी सहित चार अलग-अलग स्थानों पर किया गया, जिसमें देश के पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण और मध्य भाग शामिल थे।

परीक्षा पे चर्चा 2026 के आयोजन की तैयारियों के तहत, देशभर के विद्यालयों में छात्र-केंद्रित गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देने के लिए छात्रों द्वारा आयोजित स्वदेशी संकल्प दौड़ और पराक्रम दिवस पर चिन्हित केंद्रीय विद्यालयों में आयोजित प्रश्नोत्तरी और लेखन प्रतियोगिताएं शामिल थीं।

# सराफा व्यवसायी के घर और दुकान पर आयकर विभाग ने मारा छापा : वृंदावन में आरएस ज्वैलर्स पर छापे के बाद बाजार में मचा रहा हड़कंप

मथुरा (जीएनएस)। धार्मिक नगरी वृंदावन में सराफा कारोबारी की दुकान और मकान पर सीजीएसटी और सेंट्रल एक्साइज की टीम ने संयुक्त टीम ने संयुक्त रूप से छापामार कार्रवाई की है। वृंदावन में कैला देवी मंदिर के पास आरएस ज्वेलर्स पर छापामार कार्रवाई से अन्य व्यापारियों में हड़कम्प मचा रहा। जानकारी के अनुसार सीजीएसटी विभाग को काफी समय से टैक्स चोरी और स्टॉक में हेराफेरी की सूचनाएं मिल रही थीं। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद सीजीएसटी और सेन्ट्रल एक्साइज की टीम ने योजना तैयार करके संयुक्त रूप से सराफा कारोबारी की दुकान और मकान पर एक साथ छापामार कार्रवाई शुरू कर दी। छापामार कार्रवाई शुरू होते ही कारोबारी की दुकान और मकान के बाहर पुलिस फोर्स तैनात कर दिया गया। इस बीच टीम ने किसी को भी अंदर से बाहर और बाहर से अंदर नहीं जाने दिया। छापामार कार्रवाई के दौरान सीजीएसटी और सेन्ट्रल एक्साइज टीम के अधिकारियों ने दुकान में मिले सोने-चांदी के स्टॉक का बिलों से मिलान किया। इसके साथ ही पिछले कई वर्षों के खरीद एवं बिक्री के दस्तावेज, बैंक लेन-देन का विवरण तथा कच्चे बिलों की पड़ताल की। किंतु सीजीएसटी और सेन्ट्रल एक्साइज की टीम ने किसी भी प्रकार की आधिकारिक बरामदगी की पुष्टि नहीं की गई है। फिर माना जा रहा है कि जांच में बड़े पैमाने पर टैक्स चोरी का खुलासा हो सकता है। छापामार कार्रवाई की खबर फैलते ही सराफा बाजार के कारोबारियों में हड़कम्प की स्थिति बनी रहा। जिस सराफा कारोबारी के प्रतिष्ठान पर छापामार कार्रवाई की गई है, उसका नाम शरद सर्राफ बताया जा रहा है। खबर लिखे जाने तक सीजीएसटी और सेन्ट्रल एक्साइज की टीम की कार्रवाई चल रही थी।

# कांग्रेस पदाधिकारियों ने किया सीवेज प्लांट का निरीक्षण : प्लांट पड़ा बंद, मृत पड़े मिले पशु और गंदगी का मिला अंबार

**-कांग्रेसियों ने प्रशासन को दी चेतावनी, यमुना की दुर्दशा नहीं सुधारी तो होगा आंदोलन**

मथुरा (जीएनएस)। कांग्रेस महानगर कमेटी के अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम ने कांग्रेसियों के साथ मसानी नाले के पास स्थित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) को देखने पहुंचे। कांग्रेसियों को वहां पर ब्रज हालात बेहद खराब हालत मिली। कांग्रेस पदाधिकारियों को निरीक्षण में एसटीपी प्लांट पूरी तरह जर्जर और निष्क्रिय अवस्था में मिला। प्लांट का संचालन लगभग ठप पाया गया, जिसके चलते मसानी नाले की गंदगी बिना किसी शोधन के सीधे यमुना में गिर रही है। करोड़ों रुपए की लागत से बने इस प्लांट का फायदा दिखाई नहीं दे रहा है, यह केवल कागजों में ही चल रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान नाले और एसटीपी प्लांट के आस-पास 5-6 मृत पशु पड़े हुए मिले हैं। कांग्रेसियों ने मृत पशु और गंदगी की फोटो और वीडियो बना लिए। कांग्रेसियों ने आशंका व्यक्त की है कि नाले के अंदर तथा आस-पास और भी मृत पशु मिल सकते हैं, जिनका कोई लेखा-जोखा नहीं है। यह स्थिति न केवल पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ा रही है, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बन चुकी है। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल द्वारा एकत्रित किए गए साक्ष्य स्पष्ट करते हैं कि नगर निगम और प्रशासन की लापरवाही के चलते यमुना को लगातार प्रदूषित किया जा रहा है। इस संबंध में कांग्रेस महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकद्दम ने कहा कि यह स्थिति भाजपा की असंवेदनशील और यमुना विरोधी नीति को उजागर कर रही है। कहा कि एक ओर आस्था की बात की जाती है और दूसरी ओर नगर निगम तथा प्रशासन की लापरवाही से यमुना में गंदगी और मृत पशु पहुंचाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत कर रहा है। कहा कि यमुना प्रदूषण, मृत पशुओं की दुर्दशा और जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ के लिए नगर निगम, मेयर और संबंधित अधिकारी जिम्मेदार हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर जल्द ही एसटीपी प्लांट को दुरुस्त करके नालों की गंदगी नहीं रोका गई और मृत पशुओं के निस्तारण की व्यवस्था नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी इसे लेकर आंदोलन करेगी। इस दौरान आनंद शर्मा, राहुल चतुवेर्दी, शिवकुमार गौतम (बंटी), निशांत शर्मा और महेश छत्रवेदी समेत अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

# कृष्णा कॉलेज में खेल सप्ताह 'कृष्ण रंग' का सफल आयोजन

लखनऊ। कृष्णा कॉलेज ऑफ एजुकेशन एंड मैनेजमेंट एवं कृष्णा नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट के परिसर में वार्षिक खेल सप्ताह 'कृष्ण रंग' का शुभारंभ दिनांक 28इँ जनवरी 2026 को किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसीपी मोहनलालगंज, श्री विकास कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

यह खेल सप्ताह सात दिनों तक चला, जिसके उपरांत महाविद्यालय परिसर में ही समापन समारोह का आयोजन किया गया, तत्पश्चात इस परंपरा को आगे बढ़ाया गया। इस अवसर पर श्री अजय कुमार त्रिपाठी (सेवानिवृत्त आर टी वो.) एवं श्रीमती स्मिता त्रिपाठी जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ श्री अजय कुमार त्रिपाठी जी की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनुराग चतुर्वेदी (निदेशक, के सी ई एम), डॉ. तेजल जी चतुर्वेदी (निदेशक, के एन पी आई), प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव (के सी ई एम), प्राचार्य प्रो. जेनी डी (के एन पी आई), वाइस प्रिंसिपल प्रो. अनुराग चौहान (डठढक), गेम इंचार्ज डॉ. ब्रह्मवेश कुमार एवं श्री ओमप्रकाश सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों को अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न (मोमेंटो) भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार स्वरूप पदक (टीं'२) एवं शील्ड प्रदान की गई। खेल सप्ताह में रेड हाउस ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हाउस ट्रॉफी प्राप्त की।

खेल सप्ताह के प्रथम दिन 100 मीटर दौड़, सेक रेस, शॉट पुट, थ्री-लेग रेस एवं लेमन स्पून रेस जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने शानदार जोश एवं ऊर्जा का प्रदर्शन किया। द्वितीय दिन वॉलीबॉल, खो-खो, डॉज बॉल, शतरंज, कैरम तथा शॉट पुट जैसी इनडोर एवं आउटडोर प्रतियोगिताओं के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपनी शक्ति, रणनीति और एकाग्रता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

तृतीय दिन टेबल टेनिस, बैडमिंटन, लॉन्ग जंप, फुटबॉल, थ्री-बॉल के साथ-साथ पॉट पेंटिंग एवं मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिससे खेल के साथ-साथ विद्यार्थियों की रचनात्मकता को भी मंच मिला। चतुर्थ दिन कबड्डी, टग ऑफ वॉर, बैडमिंटन, डॉज बॉल, लॉन्ग जंप एवं म्यूज़िकल चेयर जैसी रोमांचक प्रतियोगिताओं ने पूरे वातावरण को उत्साह से भर दिया।

इस खेल सप्ताह की एक विशेष उपलब्धि यह रही कि कई विद्यार्थियों ने एक से अधिक खेलों में जीत हासिल कर अपनी बहुमुखी प्रतिभा का परिचय दिया। विशेष रूप से मानवेंद्र, अखिलेश प्रताप सिंह, शमिला, लक्ष्मी धुरिया, एकता चौरसिया, राधिका पांडेय एवं निधि विक्रम जैसे विद्यार्थियों का प्रदर्शन अन्य छात्रों के लिए प्रेरणास्रोत रहा।

इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण एवं कर्मचारियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर खेल सप्ताह के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन प्राचार्य डॉ. नीरज कुमार श्रीवास्तव (के ई सी एम) द्वारा प्रस्तुत किया गया।

# नानपारा में अवैध कब्जों के विरूद्ध जारी है ध्वस्तीकरण की कार्यवाही

**एसडीएम के नेतृत्व में सरकारी भूमि पर बने अस्थायी कब्जों को कराया गया जमीदोज**

ब्यूरो रिपोर्ट इसराइल खान

बहराइच 05 फरवरी। नानपारा तहसील क्षेत्रान्तर्गत ग्राम रामनगर गुलरिया, हरिहरपुर पुरैना व जलालपुर स्थित गाटा संख्या 551 रकबा 0.006 हेक्टेयर एवं गाटा संख्या 470 रकबा 0.10 हेक्टेयर जोकि राजस्व अभिलेखों में नवीन परती के नाम दर्ज है तथा गाटा संख्या 122 रकवा 0.099 हेक्टेयर खलिहान व गाटा संख्या 766 रकवा 0.034 हेक्टेयर पर ग्राम के ही कुल 06 व्यक्तियों के द्वारा लंबे समय

से सरकारी भूमि पर अस्थाई टीन शेड व झोपड़ी डालकर किये गये अवैध कब्जे को उपजिलाधिकारी नानपारा मोनालिसा जौहरी के निर्देश पर नायब तहसीलदार नबाबगंज अक्षय पांडेय, राजस्व निरीक्षक मिश्रीलाल पाल व क्षेत्रीय लेखपाल द्वारा एसएसबी व पुलिस की मदद से हटवा दिया गया। अवैध कब्जों पर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही से अवैध कब्जेदारों के हौसले पस्त होते दिखायी दे रहे हैं। तहसील प्रशासन की सख्त कार्रवाई से यह स्पष्ट संदेश क्षेत्र में गया है कि सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तहसील प्रशासन की ताबड़तोड़ कार्यवाही से आमजन में यह विश्वास और मजबूत हुआ है कि वर्तमान प्रशासन अवैध कब्जाधारियों के विरुद्ध पूरी दृढ़ता से कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है,

# अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 172 स्टेशनों का काम पूरा हुआ : श्री अश्विनी वैष्णव

(जीएनएस)।

स्टेशन का पुनर्विकास

रेल मंत्रालय ने स्टेशनों के दीर्घकालिक पुनर्विकास के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है। इस योजना के अंतर्गत स्टेशनों के सुधार हेतु मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध तरीके से उनका कार्यान्वयन करना शामिल है। मास्टर प्लान में निम्नलिखित बातें शामिल हैं:

- स्टेशन और आवागमन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- स्टेशन का शहर के दोनों हिस्सों से जुड़ाव
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षा कक्षों, शौचालयों, बैठने की व्यवस्था और पानी के बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े फुट ओवरब्रिज/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान।
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैंप की व्यवस्था
- प्लेटफार्म की सतह में सुधार/उपलब्धता और प्लेटफार्म के ऊपर आवरण का प्रावधान
- 'वन स्टेशन वन प्रोडक्ट' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क की व्यवस्था करना।
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमॉडल एकीकरण
- दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाएं
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- प्रत्येक स्टेशन पर आवश्यकतानुसार एग्‍जीक्‍युटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए निर्धारित स्थान, हरियाली आदि की व्यवस्था करना।

इस योजना में टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल समाधान, आवश्यकतानुसार बैलास्टलेस ट्रैक का प्रावधान, चरणबद्ध कार्यान्वयन और व्यवहार्यता के साथ-साथ दीर्घकालिक रूप से स्टेशन पर शहर केंद्र का निर्माण जैसी परिकल्पनाएं भी शामिल हैं। अब तक इस योजना के तहत विकास के लिए 1337 स्टेशनों की पहचान की गई है। फिलहाल, 172

स्टेशनों का काम पूरा हो चुका है।

पुलों की सुरक्षा

भारतीय रेलवे (आईआर) द्वारा देशभर के पुलों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। पुलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, आईआर में रेलवे पुलों के निरीक्षण की एक सुस्थापित प्रणाली है। सभी पुलों का निरीक्षण वर्ष में दो बार नामित अधिकारियों द्वारा किया जाता है, एक बार मानसून शुरू होने से पहले और एक बार मानसून के बाद विस्तृत निरीक्षण। इसके अतिरिक्त, मुख्य पुल अभियंता (सीबीई) द्वारा निर्धारित स्थिति के आधार पर कुछ पुलों का निरीक्षण अधिक बार भी किया जाता है। महत्वपूर्ण और बड़े पुलों का व्यापक तकनीकी निरीक्षण इस प्रकार किया जाता है कि ऐसे 20 प्रतिशत पुलों का निरीक्षण प्रतिवर्ष किया जाता है।

पुलों की मरम्मत/मजबूतीकरण/पुनर्वास/पुनर्निर्माण एक सतत और निरंतर प्रक्रिया है और यह पुलों के निरीक्षण के आधार पर की जाती है। 2022-2025 (दिसंबर 2025 तक) के दौरान, भारतीय रेलवे में 8,626 रेलवे पुलों की मरम्मत/पुनर्वास/मजबूतीकरण/पुनर्निर्माण किया गया है।

इसके अतिरिक्त, कुछ रेलवे पुलों की स्थिति के आधार पर उनका निरीक्षण अधिक बार किया जाता है। रेलवे पुलों की मरम्मत/मजबूतीकरण/पुनर्निर्माण एक सतत प्रक्रिया है और निरीक्षण के दौरान उनकी भौतिक स्थिति के आधार पर आवश्यकतानुसार की जाती है। विशेष तकनीकी ऑडिट भी किया जाता है और अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है। सबवे/आरयूबी का निरीक्षण मानसून शुरू होने से पहले और बाद में किया जाता है। रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) और सबवे में जलभराव को कम करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं, जैसे कि नए डिजाइनों में बेहतर जल निकासी व्यवस्था, पानी को प्राकृतिक नालियों में मोड़ना, हंप और क्रॉस-ड्रेन बनाना, जोड़ों को सील करना और संवेदनशील स्थानों पर उच्च क्षमता वाले पंप लगाना।

भारतीय रेलवे पुल नियमावली (आईआरबीएम) में पुल पुनर्निर्माण कार्यों की कार्यप्रणाली दी गई है। अनुबंध प्रबंधन और अनुबंध की सामान्य एवं विशेष शर्तों के माध्यम से गुणवत्ता आश्वासन योजना (क्यूएपी) और निरीक्षण एवं परीक्षण योजना (आईटीपी) का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है।

निष्पादन एजेंसी की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए दोष दायित्व अवधि तक सुरक्षा जमा राशि को रोके रखने और अनुबंध समाप्त करने जैसे दंडात्मक प्रावधानों को शामिल किया गया है। पुल निर्माण कार्य का पूरा होना स्थान, प्रकार, योजनाओं की स्वीकृति, पहुंच मार्ग की उपलब्धता, जलवायु परिस्थितियों के कारण वर्ष में कार्य मौसम की अवधि, ब्लॉकों की उपलब्धता, गति प्रतिबंध आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

कोच निर्माण

वर्तमान में, रेल मंत्रालय के अधीन देश में तीन कोच निर्माण इकाइयां कार्यरत हैं। कोच निर्माण इकाइयों के विकास की लागत स्थान, निर्मित किए जाने वाले कोचों के प्रकार, नियोजित उत्पादन क्षमता और स्थापित की जाने वाली मशीनरी और संयंत्र जैसे कारकों पर निर्भर करती है। कोच निर्माण इकाइयों के विकास पर व्यय लंबी अवधि में और कई चरणों में होता है, जिसमें इकाइयों की प्रारंभिक स्थापना के साथ-साथ समय-समय पर सुविधाओं का उन्नयन और विस्तार भी शामिल है। उदाहरण के लिए, रायबरेली स्थित नवीनतम कार्यरत कोच निर्माण इकाई - मॉडर्न कोच फैक्ट्री - की स्थापना पर 3,042.83 करोड़ रुपये का व्यय हुआ है।

इसके अतिरिक्त, तीन कार्यरत कोच निर्माण इकाइयों, अर्थात इंटीग्रल कोच फैक्ट्री, चेन्नई, रेल कोच फैक्ट्री, कपूरथला और मॉडर्न कोच फैक्ट्री, रायबरेली के उन्नयन/विस्तार से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं के लिए 2443 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं।

एलएचबी कोच

एलएचबी कोचों के बढ़ते उपयोग के संबंध में यह उल्लेख किया गया है कि आईसीएफ कोचों को अधिक सुरक्षित और आधुनिक एलएचबी कोचों से बदलने का कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया है। तकनीकी रूप से उन्नत एलएचबी कोचों में बेहतर सवारी, बेहतर सौंदर्य और हल्के वजन का डिजाइन, चढ़ाई रोधी विशेषताएं, विफलता संकेत प्रणाली के साथ एयर सस्पेंशन (सेकेंडरी), स्टेनलेस स्टील का ढांचा और डिस्क ब्रेक प्रणाली जैसी विशेषताएं हैं।

# मस्जिद बुतूली बेगम व इमामबाड़ा औनो मोहम्मद का भव्य इफ़्तिताह

**मौलाना कल्बे जवाद ने की फातिहा ख्वानी**

लखनऊ। वजीरबाग रोड स्थित रुस्तमनगर में जश्न-ए-इमामे अस्र के मुबारक मौके पर एक भव्य रूहानी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मस्जिद बुतूली बेगम और इमामबाड़ा जनाबे औनो मोहम्मद (अ.स.) का इफ़्तिताह व नज़्र का आयोजन पूरी अकीदत के साथ संपन्न हुआ।

इस मुकद्दस मौके पर शहर के मशहूर आलिम-ए-दीन मौलाना कल्बे जवाद साहब ने शिरकत की। उन्होंने मस्जिद और इमामबाड़े के उद्घाटन के साथ ही विशेष नज़्र की फातिहा ख्वानी कराई। इस दौरान इमाम-ए-जमाना

और शोहदा-ए-कर्बला की बारगाह में नजराना-ए-अकीदत पेश किया गया।

कार्यक्रम में हुज्जतुल इस्लाम मौलाना सैयद फिरोज अब्बास नकवी कुम्मी ने महफिले फजाइल को संबोधित किया और इमाम की शान में बयान पढ़े। कार्यक्रम की निजामत मशहूर नाजिम जनाब नय्यर मजीदी साहब ने की।

इस रूहानी महफिल में कई नामचीन हस्तियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई, जिनमें मुख्य रूप से तिलावत, जनाब कारी हसन आबिद साहब और जनाब हसन फराज साहब आलिम, जनाब मौलाना दानिश जैदी साहब शायर, जनाब फरमान लखनवी साहब, अन्य जनाब फुरकान हुसैन, रिजवान रिजवी, फैजान जाफर और अयान अमीर।

कार्यक्रम के अंत में कन्वीनर जनाब फरमान लखनवी और सैयद इफ़्तिखार हुसैन रिजवी मीसम ने तमाम मोमिनीन और मेहमानों का शुक्रिया अदा किया। इस दौरान पूरे वजीरबाग इलाके में जश्न का माहौल रहा और बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की।

# सोनालीका ने एफ '26 के 10 महीनों में 1.51 लाख ट्रैक्टरों की अब तक की सबसे तेज बिक्री के साथ शानदार बिक्री प्रदर्शन दर्ज किया

सोनालीका ने F '26 के 10 महीनों में 1.51 लाख ट्रैक्टरों की अब तक की सबसे तेज बिक्री के साथ शानदार बिक्री प्रदर्शन दर्ज किया

लखनऊ, 5 फरवरी 2026: 30वें वर्षगाँठ की शानदार शुरूआत करते हुए, भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड सोनालीका ट्रैक्टर्स ने अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के 10 महीनों के दौरान 1,51,604 ट्रैक्टरों की अब तक की सबसे तेज कुल बिक्री दर्ज की है। भविष्य के लिए तैयार तकनीकों से लैस हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टरों द्वारा सोनालीका ने विभिन्न क्षेत्रों में कृषि समृद्धि का नेतृत्व करना जारी रखा है और यह बदलते कृषि परिदृश्य में निरंतर वृद्धि देने की कंपनी की क्षमता को दशार्ता है। सोनालीका ने हाल ही में अपने उद्देश्य 'जीतने का दम' को दोहराया है, जो पूरे देश में ब्रांड को मजबूत करने के कार्यक्रम का हिस्सा है और इसकी तेज विकास रणनीति को दशार्ता है।

महज 30 वर्षों में, सोनालीका एक छोटे शहर की कंपनी से बढ़ कर भारत से ट्रैक्टर एक्सपोर्ट में नंबर 1 ब्रांड और देश में तीसरा सबसे बड़ा ट्रैक्टर ब्रांड बन गया है, जबकि वैश्विक स्तर पर इसने पांचवे सबसे बड़े ट्रैक्टर ब्रांड के रूप में स्थान हासिल किया है । सोनालीका के हैवी-ड्यूटी ट्रैक्टर किसानों द्वारा स्थाई विकास के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश माने जाते हैं, क्यूंकि कंपनी की प्रगतिशील यात्रा मजबूत सिद्धांतों पर आधारित है जिनमें किफायती इंजीनियरिंग, बेहतर उत्पादन क्षमता और किसानों को प्राथमिकता देना शामिल है।

जीएसटी कटौती द्वारा किसानों को बेहतर पूवार्नुमान और भरोसा मिला है एवं वह सशक्त महसूस कर रहे हैं जिससे साथ ही मशीनीकरण को भी बढ़ावा मिला है। सोनालीका अपने विश्व के सबसे बड़े एकीकृत ट्रैक्टर निर्माण प्लांट में किसानों के भविष्य के लिए तैयार समाधानों को प्रदान करने के लिए पूरी तरह से तैयार है ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो सके और भारत की आर्थिक प्रगति में कृषि की भूमिका को सुदृढ़ किया जा सके।

इस नई उपलब्धि पर अपने विचार साझा करते हुए, श्री रमन मित्तल, जॉइंट मैनेजिंग डायरेक्टर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, ने कहा, 'अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच 10 महीनों में 1.51 लाख ट्रैक्टरों की बिक्री का अब तक का सबसे तेज आंकड़ा दर्ज करके हम बेहद प्रसन्न हैं। इससे हमें 2026 में अपने 30वीं वर्षगाँठ के लिए एक मजबूत्त शुरूआत मिली है। यह हमारे इस सरल विश्वास की पुष्टि करता है कि निरंतर विकास मजबूत बुनियादी सिद्धांतों पर आधारित होता है और हमारे ब्रांड पर किसानों का भरोसा एक स्पष्ट प्रमाण है। इंजीनियरिंग से लेकर अमल करने तक हम जो भी निर्णय लेते हैं, उससे हम सुनिश्चित करते हैं कि किसान के खेतों में ज्यादा उत्पादकता, भरोसा और बेहतर मूल्य प्राप्त हो।'

इस मौसम में रबी की बुआई शानदार रही है, जिससे अच्छी फसल की उम्मीदें बढ़ गई हैं और किसानों को हमारे ईंधन-कुशल, आरामदायक और ताकतवर ट्रैक्टरों का लाभ उठाने का अवसर मिल रहा है। कृषि और सम्बंधित क्षेत्रों के लिए हाल ही में किए गए बजट आवंटन से जमीनी स्तर पर कृषि परिवर्तन के प्रति स्थायी नीतिगत प्रतिबद्धता को बल मिलता है, जबकि जीएसटी सुधार दीर्घकालिक रूप से अधिक उत्पादकता लाएंगे, किसानों के मनोबल को बढ़ाएंगे और मशीनीकरण को गति देंगे। जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था उत्पादकता और निवेश के स्तंभों पर आगे बढ़ रही है, हम 'जीतने का दम' द्वारा संचालित विश्वसनीय, भविष्य के लिए तैयार तकनीक के साथ किसानों का समर्थन करने के स्पष्ट इरादे से कृषि को दम, विस्तार और क्षमता के साथ ताकत देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

# लखनऊ में फिर घट गई चाइनीज मांझे से घटना, युवक के कट गए होंठ, नहीं मान रहे लोग

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर चाइनीज मांझे का कहर देखने को मिला है. गुरुवार को चाइनीज मांझे से आर्मी से रिटायर्ड बृजेश राय गंभीर रूप से घायल हो गए. बृजेश राय कैंसर हॉस्पिटल में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं. अर्जुनगंज निवासी बृजेश राय के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं.

लखनऊः उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक बार फिर चाइनीज मांझे का कहर देखने को मिला है. गुरुवार को चाइनीज मांझे से आर्मी से रिटायर्ड बृजेश राय गंभीर रूप से घायल हो गए. बृजेश राय कैंसर हॉस्पिटल में सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं. अर्जुनगंज निवासी बृजेश राय के परिवार में पत्नी और दो बच्चे हैं. गोमती नगर विस्तार इलाके की घटना है. बता दें कि इससे पहले बुधवार को शोएब नाम के शख्स की चाइनीज मांझे से गला कट गया और उसकी मौत हो गई थी.

लखनऊ में फिर घट गई चाइनीज मांझे से घटना, युवक के कट गए होंठ, नहीं मान रहे लोग

लखनऊ में चाइनीज मांझे से कटे युवक के होंठ.

वहीं इस घटना के बाद से चाइनीज माँझे को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सख़्त आदेश दिया है. लखनऊ में चाइनीज मांझे ने 33 साल के मोहम्मद शोएब की जान ले ली थी, वो बाइक से जा रहे थे. गले में मांझा उलझ गया और खून की धार बह निकली. ट्रॉमा सेंटर में इलाज के डेढ़ घंटे बाद ही शोएब की मौत हो गई. इस पर सीएम योगी ने दुख जताया और कहा की जब चाइनीज मांझा बैन है तो कैसे बिक रहा है. अधिकारियों की सीएम योगी ने जमकर फटकार लगाई. साथ ही उन्होंने कहा कि अब ऐसी घटना होने पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाएगा. इसके अलावा उन्होंने अधिकारियों के इसके खिलाफ कदम उठाने को कहा.

वहीं सीएम योगी के निर्देश के बाद चाइनीज मंझा के खिलाफ लखनऊ में छापेमारी शुरू हो गई. पुलिस ने लखनऊ के सबसे बड़े मांझा मार्केट बाजार खाला में पुलिस ने छापेमारी की. चाइनीज मांझे के खिलाफ पूरे प्रदेश में छापेमारी चल रही है. लखनऊ वेस्ट ऊ्रढ विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा की चाइनीज मांझे से मरने पर अब हत्या का केस दर्ज किया जाएगा. बता दें कि शोएब की दो बेटियां हैं और एक बूढ़ी माँ है. बहुत जिम्मेदारी थी उसके ऊपर. अपने बीवी बच्चो और माँ के साथ रहता था. वहीं इस घटना को लखनऊ डीसीपी वेस्ट विश्वजीत श्रीवास्तव ने कहा कि एफआईआर दर्ज हो चुकी है, अब जो ट्रेंड देख रहे हैं.

# आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर आपस में टकराए 13 वाहन, 14 घायल; यूपीईआईडीए की लापरवाही से हुआ हादसा

संवाद सहयोगी, बांगरमऊ। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह घने कोहरे के कारण बेहटामुजावर क्षेत्र के जोगीकोट गांव के पास यूपीडा कर्मियों द्वारा खुला छोड़े गए कट से निकल रहे डंपर से 70-80 किमी की रफ्तार में जा रहा ट्रक टकरा गया। पलक झपकते ही एक के बाद एक 11 अन्य वाहन भिड़ते चले गए। हादसे में 14 लोग घायल हो गए।

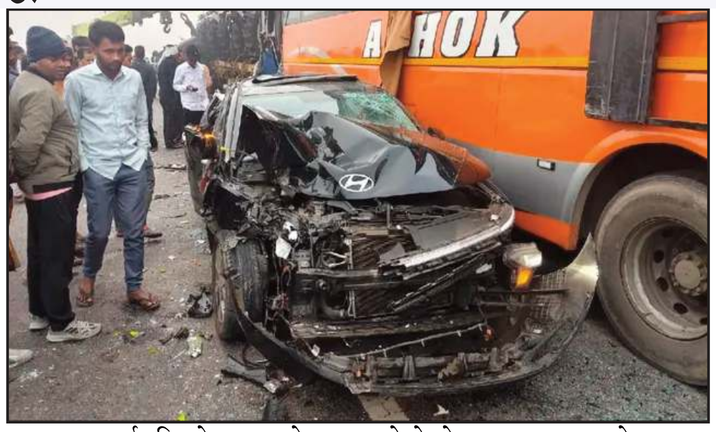

आगरा से लखनऊ जाने वाली लेन पर चार किमी लंबा जाम लग गया और यातायात ठप हो गया। डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद क्षतिग्रस्त वाहन हटाए जा सके। जांच करने पहुंचे एसपी जयप्रकाश सिंह ने कट खुला छोड़े जाने पर यूपीडा कर्मियों को कड़ी फटकार लगाई। जिसके बाद खुले कट को बंद करने का काम शुरू किया गया।

हरियाणा के हिसार का निवासी ट्रक चालक लीला सरसों का तेल लादकर हिसार से बिहार जा रहा था। गुरुवार सुबह करीब 7:30 बजे घने कोहरे के कारण दृश्यता बेहद कम थी। इसी दौरान जोगीकोट गांव के पास डिवाइडर के खुले कट से एक डंपर आगरा से लखनऊ वाली लेन में घूमने लगा। कोहरा अधिक होने से ट्रक डंपर से टकरा गया। दोनों वाहन 100 मीटर तक घिसटते चले गए। जिससे भारी वाहन और कार लेन जाम हो गई। इसी दौरान 70-80 की रफ्तार में आ रही तीन कारें आपस में भिड़ गईं।

वाहन में फंसे लोग निकल ही पाए थे कि ट्रैक्टर लादकर जा रहा एक ट्रेलर भी दुर्घटनाग्रस्त वाहनों में जा घुसा। शोर शराब के बीच ट्रेलर चालक कुछ समझ पाता पीछे से दिल्ली से बिहार जा रही दो भाइयों की कार, दिल्ली से लगभग 40 यात्रियों को लेकर आ रही स्लीपर बस, आपस में टकरा गए। बस चालक इटावा के मालायन निवासी विवेक केबिन में फंस गए। इसके बाद दूसरी बस और अन्य वाहन भी टकराते चले गए। बस के यात्रियों ने खिड़की के शीशे तोड़ बाहर निकलकर जान बचाई।

# सीएम योगी की आपत्तिजनक फोटो पोस्ट करने वाले पर FIR: पीलीभीत में IT एक्ट के तहत केस, आरोपी की तलाश तेज

(जीएनएस)।

पीलीभीत,मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आपत्तिजनक एडिटेड फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने का मामला सामने आया है। सदर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम चंदोई निवासी ऐश मौर्य पुत्र धर्मवीर मौर्य की शिकायत पर पुलिस ने क्ळ एक्ट की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी, जो दूसरे समुदाय का एक युवक बताया जा रहा है, ने इंस्टाग्राम हैंडल से यह फोटो शेयर की थी।

पोस्ट वायरल होते ही स्थानीय लोगों और हिंदूवादी संगठनों में भारी आक्रोश फैल गया। लोगों का कहना है कि यह प्रदेश के सर्वोच्च पद की गरिमा के खिलाफ है, जो सामाजिक सौहार्द बिगाड़ सकता है और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचा सकता है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सत्येंद्र कुमार ने बताया, "किसी को भी संवैधानिक पद की गरिमा से खिलवाड़ करने की इजाजत नहीं। साइबर सेल सक्रिय है, जो आरोपी के क्ढ एड्रेस और प्रोफाइल से लोकेशन ट्रैक कर रही

है। जल्द गिरफ्तारी होगी।" पुलिस टीमें दबिशें दे रही हैं।

पुलिस ने जनता से अपील की है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट न शेयर करें, वरना कानूनी कार्रवाई होगी।

# पत्नी से हुए विवाद के बाद अपने कमरे मे गये निजी चिकित्सक का संदिग्ध परिस्थितियों मे लटकता मिला शव

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। बुधवार की देर रात्रि पत्नी से हुए विवाद के बाद अपने कमरे मे गये निजी चिकित्सक का शव संदिग्ध परिस्थितियों मे लटकता मिला गुरुवार की भोर घर पहुंची पत्नी पति के लटकते शव को देख पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम देवकलिया निवासी संदीप कुमार वर्मा पुत्र सूर्य प्रकाश सफदरगंज बदोसराय मार्ग पर स्थित मौलाबाद चौराहे पर निजी क्लिनिक चलाते है बुधवार की देर घर लौटे संदीप कुमार का अपनी पत्नी आरती से किसी बात को लेकर वाद विवाद हो गया जिसपर पत्नी रात्रि मे गाँव मे किसी के घर चली गयी और संदीप अपने 8 वर्षीय पुत्र के साथ कमरे मे सोने चला गया गुरुवार की भोर घर पहुंची पत्नी ने संदीप का शव कमरे मे मोफलर के

फंडे से लटकता मिला जिसकी खबर फैलते ही गाँव मे अफरातफरी मच गयी बाराबंकी मे रह रहे मृतक के माता पिता एव मसौली पुलिस को सूचना दी मौके पर पहुंची मसौली थाने के अतिरिक्त प्रभारी निरीक्षक सनत मिश्रा, कस्बा प्रभारी अभय गुप्ता ने फारसेंसिक टीम के साथ पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

**मृतक एव पत्नी के बींच विवाद बना मौत का कारण**

निजी चिकित्सक डा0 संदीप कुमार का विवाह 10 वर्ष पूर्व मसौली थाना क्षेत्र के ग्राम ठकुरिहा से हुआ था जिनके एक 8 वर्षीय पुत्र भी है लेकिन पति पत्नी मे हमेशा वाद विवाद होता रहता था जिससे तंग आकर माता पिता बाराबंकी मे रहते थे चार माह पूर्व कोर्ट हुए समझौते के बाद पत्नी संदीप के साथ आयी थी।

प्रभारी निरीक्षक अजय प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि निजी चिकित्सक का शव फंदे से लटकता मिला था जिसका पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

# धूमधाम से मनाया गया कई जगह किसान नेता धर्मेंद्र यादव बबलू का जन्मदिन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी।। भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष राहुल गुप्ता के तत्वाधान में किसान कार्यालय मसौली में किसान नेता धर्मेंद्र यादव बबलू जी का जन्मदिन धूमधाम से किसान कार्यकताओं के द्वारा मनाया गया जन्मदिन साथ ही किसानों ने किसान नेता धर्मेंद्र यादव बबलू के जन्मदिन पर किसानों में काफी हर्ष उल्लास देखने को मिला वहीं महिला ब्लॉक अध्यक्ष गुड़िया रावत ने पुष्प अंग वस्त्र भेंट किया और जनपद से आए तमाम पदाधिकारी का किसान कार्यकताओं ने केक काट कर एक दूसरे का मुंह मीठा कराकर लड्डू बांटे गए और खुशी का माहौल छाया रहा इस मौके पर ऋषि यादव विजय

प्रधान करंद ब्लॉक कोषाध्यक्ष कवि शरण यादव ब्लॉक प्रभारी मो0 समीम वरिष्ठ उपाध्यक्ष सलाउद्दीन अंसारी ब्लॉक महामंत्री मो0 राइस ब्लॉक सचिव राज नारायण धर्मेंद्र यादव हरिओम मोर्य साक्षी, गुड्डी समेत कई कार्यकर्ता मौजूद रहे

# प्रभाष गुप्ता बनायें गये 'राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत' के जिला अध्यक्ष

(जीएनएस)।

लखनऊ। राष्ट्रीय हिंदू परिषद,(भारत) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंद पाराशर ने हिंदुओं व सनातनियों के प्रति गहरी निष्ठा रुचि व कार्यकुशलता एवं सक्रियता को देखते हुए प्रभाष गुप्ता को राष्ट्रीय हिंदू परिषद (भारत) का जिला अध्यक्ष बनाया है। और उम्मीद जताई है कि प्रभाष गुप्ता अपने क्षेत्र में संगठन को मजबूत करते हुए गति प्रदान करेंगे। और संगठन को जन-जन तक पहुंचाएंगे। जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर श्री गुप्ता ने कहा कि हमें जो जिम्मेदारी राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा दी गई है, उसे हम

सफलतापूर्वक निभाते हुए हिंदू समुदाय को जागरूक करते हुए संगठन को मजबूत करेंगे।

# चाइनीज मांझे से मौत अब 'हत्या' मानी जाएगी सीएम योगी का सख़्त रुख

(जीएनएस)।

लखनऊ। चाइनीज मांझे से हो रही लगातार मौतों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कड़ा रुख अपनाया है। सीएम योगी ने साफ कहा है कि अगर चाइनीज मांझे से किसी की मौत होती है, तो उसे हत्या माना जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से तीखे सवाल पूछते हुए कहा कि जब चाइनीज मांझा पूरी तरह बैन है, तो फिर उसकी उपलब्धता कैसे हो रही है? यह सीधे तौर पर प्रशासनिक लापरवाही का मामला है। सीएम

योगी ने प्रदेश भर में विशेष अभियान चलाकर चाइनीज मांझे की बिक्री, भंडारण और इस्तेमाल पर सख़्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ कहा कि इस जानलेवा मांझे से किसी भी कीमत पर आम जनता की जान से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

# पीलीभीत को मिले नए एसपी:सुकीर्ति माधव मिश्रा ने संभाला चार्ज,अभिषेक यादव की जगह लेंगे,कानून व्यवस्था पर सख्ती बढ़ेगी

(जीएनएस)।

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए आईपीएस अधिकारी सुकीर्ति माधव मिश्रा को पीलीभीत का पुलिस अधीक्षक (एसपी) नियुक्त किया है। वे अपनी तेज-तर्रार और अनुशासित कार्यशैली के लिए जाने जाते हैं। अब पीलीभीत की कानून व्यवस्था की कमान उनके हाथों में होगी।

सुकीर्ति माधव मिश्रा ने अभिषेक यादव का स्थान लिया है। अभिषेक यादव को पदोन्नति मिलने के बाद यह फेरबदल हुआ है। मूल रूप से बिहार के निवासी सुकीर्ति माधव मिश्रा उत्तर प्रदेश कैडर के चर्चित आईपीएस अधिकारियों में शुमार हैं। उनकी

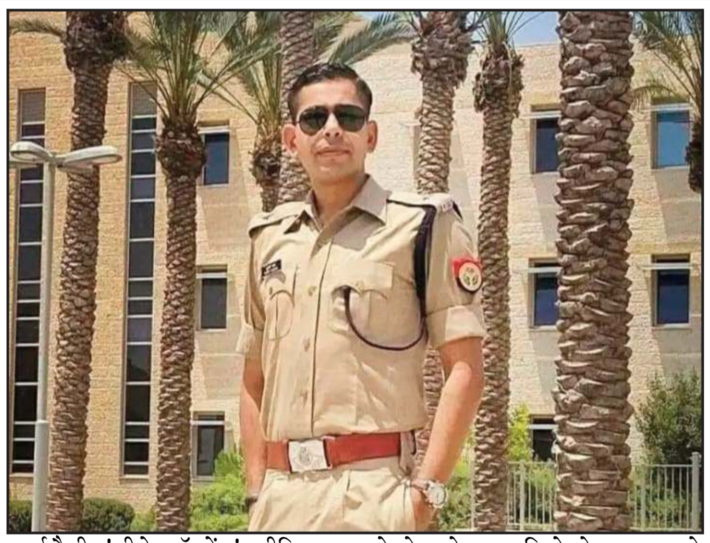

कार्यशैली 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर आधारित रही है। जिन जिलों में उनकी तैनाती हुई, वहां संगठित अपराधियों पर कड़ा शिकंजा कसते हुए उन्हें या तो जेल भेजा या जिले से बाहर करने पर मजबूर किया।

वे न केवल सख्त प्रशासनिक अधिकारी के रूप में पहचाने जाते हैं, बल्कि संवेदनशील और जनहितैषी पुलिसिंग के लिए भी प्रसिद्ध हैं। तकनीक और मानवीय दृष्टिकोण के समन्वय से उन्होंने कई जिलों में अपराध नियंत्रण किया और पुलिस-जनता के बीच विश्वास मजबूत किया।

तराई क्षेत्र और नेपाल सीमा से सटे संवेदनशील जिले पीलीभीत में उनके सामने सीमावर्ती अपराध, तस्करी, अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाना और शांति व्यवस्था बनाए रखना जैसी चुनौतियां हैं। जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण कर पुलिस-नागरिक संबंध मजबूत करना भी उनकी प्राथमिकता रहेगा। सुकीर्ति माधव मिश्रा की नियुक्ति से जिले में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ करने की उम्मीद जताई जा रही है।

# शराब बंदी क्यों जरूरी? बढ़ते अपराधों से जुड़ा सच - आफाक अहमद मंसूरी

देश में बढ़ते अपराध, बलात्कार, घरेलू हिंसा और बबार्दी का सबसे बड़ा कारण अगर कोई है, तो वो है शराब, ये कोई आरोप नहीं, जमीनी हक़ीकत है, आज हर शहर, हर मोहल्ले में शराब की दुकानें ऐसे खुली हैं जैसे इंसान नहीं, नशे पैदा किए जा रहे हों, आज हालात ये है कि नौजवानों की भीड़ शराब की दुकानों पर खुलेआम जुटती दिख रही है, हर गली चौराहे पर शराब आसानी से उपलब्ध है क्योंकि सरकारों ने बड़ी संख्या में शराब की दुकानों के लाइसेंस जारी कर दिए हैं, नौजवानों की भीड़, खुलेआम पीना, होश का सौदा—और फिर वही नतीजाः अपराध, अय्याशी, हैवानियत `शराब इस्लाम में हराम है, लेकिन ये सच्चाई भी उतनी ही अहम है कि हिन्दू धर्म में भी शराब को स्वीकार्यता नहीं दी गई

है, वजह बिल्कुल साफ है - शराब इंसान से उसका विवेक छीन लेती है, नशे में व्यक्ति अपने होश अपने संस्कार अपनी इंसानियत तक को भूल जाता है `नशे के बाद वही व्यक्तिः अपराध की तरफ बढ़ता है, अय्याशी और हिंसा करता है, बलात्कार जैसे घिनौने कृत्यों को अंजाम देता है, घर में मां-बाप को गालियां देता है, बीवी-बच्चों पर हाथ उठाता है, महीने की कमाई शराब में उड़ाकर परिवार को भूखा छोड़ देता है, इसके बावजूद अगर सरकारें शराब से टैक्स कमाने को प्राथमिकता देती हैं तो ये जनता की सुरक्षा से सीधी बेइमानी है`जब धर्म भी मना करता है, समाज भी भुगत रहा है और अपराध लगातार बढ़ रहे हैं—तो फिर सवाल उठता है कि शराब से कमाई क्यों?पैसा कमाने के और भी बहुत से साधन हैं, लेकिन कुर्सी पर बैठने के बाद सबसे बड़ी जिम्मेदारी जनता और देश की होती है, न कि शराब से होने वाली कमाई सिर्फ.नियम बनाना कि शराब पीकर गाड़ी न चलाएं, सार्वजनिक जगह पर न पिएं—ये सब दिखावा है, जब शराब बिकेगी, तो नशा होगा, जब नशा होगा, तो अपराध होगा, इसलिए समाधान एक ही है—शराब बंद करो, देश बचाओ, ये किसी एक धर्म या वर्ग की नहीं, हर सभ्य इंसान की आवाज है कि शराब जैसे नशे पर पूरी तरह पाबंदी लगाई जाए`आफाक अहमद मंसूरी✍

# रूस से पीलीभीत के 6 युवकों की सुरक्षित स्वदेश वापसी, जितिन प्रसाद की गुजारिश पर संभव

(जीएनएस)।

रूस में कई महीने से फंसे पीलीभीत के छह युवकों की सकुशल स्वदेश वापसी को उनके परिजनों ने अपने पीलीभीत सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री भारत सरकार श्री जितिन प्रसाद से गुहार लगाई थी जिसकी प्रार्थना पत्र परिजनों ने किसान नेता देव स्वरुप पटेल के माध्यम से श्री जितिन प्रसाद को पूरनपुर में उनके जन संवाद कार्यक्रम 22 जनवरी को आने पर दी थी युवकों को दिल्ली के किस एजेंट के माध्यम से भेजा गया है वह भी उसमें कुछ किसी को जानकारी नहीं थी इसलिए युवकों को रूस में ढुड़वाने में काफी कठिनाई हुई क्योंकि वहां पर उनके फोन रिचार्ज भी नहीं थे और जहां वह रह रहे थे वहां से वाई-फाई भी हटा दिया था बार-बार यूवको ने अपनी पीड़ा को नेटवर्क उपलब्ध होने पर व्हाट्सएप के माध्यम से अपने ऑडियो वीडियो किसान नेता देव स्वरूप पटेल के व्हाट्सएप नंबर पर भेजें जिसके आधार पर केंद्रीय मंत्री श्री जितिन

प्रसाद ने भारत सरकार एवं रुस के विदेश मंत्रालय से अधिकारियों से पीलीभीत के फसे युवकों की सही लोकेशन की जानकारी कराकर उनको सकुशल घर वापसी के लिए निर्देश दिए थे

पटेल ने कहा की पीलीभीत के राजा बाबू पासवान महद खास छोटेलाल पासवान लालपुर गिरीश क़ुमार राजपूत खगाई महेश पाल राजपूत लालपुर एवं रामवीर कश्यप बेगराज कश्यप अधकटा विधानसभा क्षेत्र बरखेड़ा पीलीभीत के युवकों को रुस से सकुशल वापसी के लिए उनके फ्लाइट के टिकट जारी कर दिए गए हैं सभी 6युवक 7 फरवरी की शाम 7:30 बजे मास्को से 8 फरवरी की सुबह प्रातः 4:00 बजे दिल्ली पहुंचेंगे

रूस में फंसे सभी 6 युवको के परिजनों ने घर वापसी कराने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री श्री जितिन प्रसाद का आभार व्यक्त किया है

# बीसलपुर चीनी मिल का जिलाधिकारी ने औचक निरीक्षण किया: विकासखंड कार्यालय और बीआरसी भी देखे, दिए आवश्यक निर्देश

(जीएनएस)।

बीसलपुर चीनी मिल का जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने गुरुवार को विकासखंड कार्यालय और बीआरसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गन्ना किसानों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चीनी मिल के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गन्ना

बीसलपुर चीनी मिल का जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने गुरुवार को

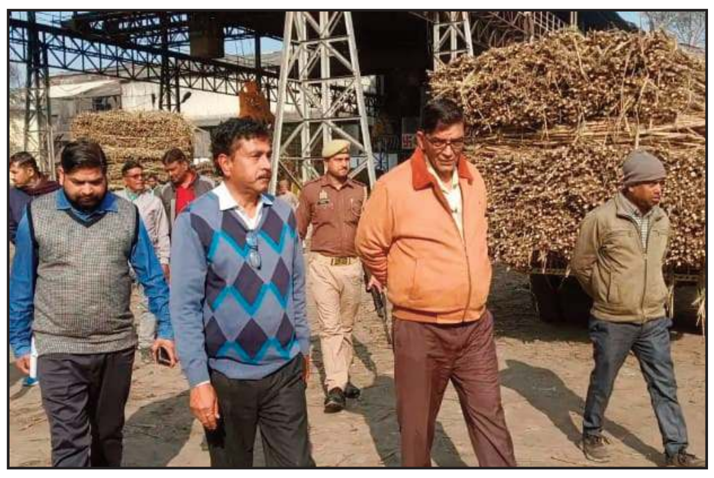

विकासखंड कार्यालय और बीआरसी का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गन्ना किसानों की समस्याओं को सुना और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चीनी मिल के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने गन्ना से भरी ट्राली की तौल कराई। उन्होंने मिल में मौजूद किसानों से पेयजल, रात्रि विश्राम और गन्ना तौल व्यवस्था पर प्रतिक्रिया ली। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि गन्ना पर्चियां नियमित रूप से काटी जाएं ताकि किसानों को कोई समस्या न हो और सभी किसानों का गन्ना समय पर तुलवाया जा सके। उन्होंने अब तक किए गए गन्ना भुगतान की भी जानकारी ली।

इसके बाद जिलाधिकारी ने विकासखंड कार्यालय बीसलपुर का निरीक्षण किया। उन्होंने कैंटीन, कार्यालय, सभागार और विभिन्न पटलों का जायजा लिया। उन्होंने पत्रावलियों को व्यवस्थित रखने और साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। खंड विकास अधिकारी के आवासीय भवन के संबंध में जानकारी लेने पर बताया गया कि आवास की रंगाई-पुताई का कार्य चल रहा है।

गया कि आवास की रंगाई-पुताई का कार्य चल रहा है।

तत्पश्चात, उन्होंने विधानसभा बीसलपुर के उच्च प्राथमिक विद्यालय में चल रहे विशेष पुनरीक्षण-2026 कार्य का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने 'नो मैपिंग' मतदाताओं को नोटिस के क्रम में की जा रही सुनवाई प्रक्रिया का जायजा लिया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने अब तक प्राप्त फॉर्मों की जानकारी ली और नोटिस प्राप्तकताओं से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में आकर प्रक्रिया पूरी करें और अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करवाएं।

इस अवसर पर उप जिलाधिकारी बीसलपुर, खंड विकास अधिकारी बीसलपुर, चीनी मिल के अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।